तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com
कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

वर्ष 35 अंक 196 | कोरबा, बुधवार, दिनांक 17 अप्रैल 2024 डाक 18 अप्रैल 2024 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा
लोकसभा चुनाव से पहले मंडी में चुनाव प्रचार के दौरान अभिनेत्री और भाजपा उम्मीदवार कंगना रनौत

देश-विदेश
बीजेपी को जिताना चाहती है कांग्रेस, पूर्व कांग्रेसी सीएम ने किया चौंकाने वाला दावा

फीचर पेज
श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने पर ही व्यक्तित्व में परिष्कार की संभावना

अयोध्या में राम लला का दिव्य अभिषेक, 'आज मन भाव-विभोर और कृतार्थ:पीएम

अयोध्या, 17 अप्रैल [एजेंसी]।

रामनवमी का त्योहार पूरे देश में सम्पूर्ण भक्ति भाव के साथ मनाया जा रहा है। भगवान राम की नगरी अयोध्या में तो अलग ही उल्लास है। सुबह से भक्तों की लंबी कतारें लगी हैं। हर कोई राम लला की एक झलक पाने और उनके दर्शन को आतुर है। सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं। इसी तरह देश के प्रमुख मंदिरों में साज-सज्जा की गई है और विशेष अनुष्ठान किए गए हैं। राम नवमी के अवसर पर अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर में राम लला का दिव्य अभिषेक किया गया। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने एक्स पोस्ट पर इसकी जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को रामनवमी की बधाई दी। पीएम मोदी ने अपने एक्स हेंडल पर लिखा, देशभर के मेरे परिवारजनों को भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी की अनंत शुभकामनाएं! इस पावन अवसर पर मेरा मन भावविभोर और कृतार्थ है। ये श्रीराम की परम कृपा है कि इसी वर्ष अपने कोटि-कोटि देशवासियों के साथ मैं अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा का साक्षी बना। अवधपुरी के उस क्षण की स्मृतियां अब भी उसी ऊर्जा से मेरे मन में स्पंदित होती हैं।यह पहली रामनवमी है, जब अयोध्या के भव्य और दिव्य राम मंदिर में हमारे राम लला विराजमान हो चुके हैं। रामनवमी के इस उत्सव में आज अयोध्या एक अप्रतिम आनंद में है। 5 शताब्दियों की प्रतीक्षा के बाद आज हमें ये रामनवमी अयोध्या में इस तरह मनाने का सौभाग्य मिला है। यह देशवासियों की इतने वर्षों की कठिन तपस्या, त्याग और बलिदान का सुफल है। प्रभु श्रीराम भारतीय जनमानस के रोम-रोम में रचे-बसे हैं, अंतर्मन में समाहित हैं। भव्य राम मंदिर की प्रथम रामनवमी का यह अवसर उन असंख्य राम भक्तों और संत-महात्माओं को स्मरण और नमन करने का भी है, जिन्होंने अपना पूरा जीवन राम मंदिर के निर्माण के लिए समर्पित कर दिया। मुझे पूर्ण विश्वास है कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जीवन और उनके आदर्श विकसित भारत के निर्माण के सशक्त आधार बनेंगे। उनका आशीर्वाद आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। प्रभु श्रीराम के चरणों में कोटि-कोटि नमन और वंदन! रामनवमी के अवसर पर सूरत के मंदिरों में भारी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। इस बार की रामनवमी बहुत विशेष है। 500 साल में यह पहला मौका है जब अयोध्या में राम लला विराजे हैं और राम मंदिर में रामनवमी बनाई जा रही है। बुधवार को चंद्रमा कर्क राशि में होंगे, जिससे कर्क लग्न बन रहा है। रामलला के जन्म के समय ग्रहाधिपति सूर्य दशम भाव में विराजमान होने के साथ उच्च राशि में थे। रामनवमी के दिन सूर्य अपनी उच्च राशि मेष में होने के साथ दशम भाव में मौजूद रहेंगे। गजकेसरी योग बन रहा है। भगवान श्री राम के जन्म के समय गजकेसरी योग भी था।

वहीं राम मंदिर में राम नवमी उत्सव पर राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास ने कहा, ...रामलला को छप्पन भोग लगाया गया। पूरी व्यवस्था कर ली गई है। आज राम नवमी का मेला है। भक्त प्रार्थना कर रहे हैं और आज सब कुछ विशेष है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने एक्स पर तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, श्री राम नवमी की पावन बेला में आज, श्री राम जन्मभूमि मंदिर में प्रभु श्री रामलला सरकार का दिव्य अभिषेक किया गया।

सूर्य की किरण से जगमग हुआ रामलला का ललाट

नव भव्य राम मंदिर में प्रभु राम के जन्मोत्सव की धूम है। तय समय के अनुसार, प्रभु राम का 3 मिनट तक सूर्यदेव ने तिलक किया। सूर्य की किरण से रामलला का ललाट जगमग हो उठा। सूर्यतिलक से पहले राम लला की आरती की गई।

पुरी समुद्रतट पर रेत से भगवान राम की मूर्ति बनाई

ओडिशा के जगन्नाथ पुरी में रामनवमी के अवसर पर रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक ने रेत से भगवान राम की मूर्ति बनाई। रामनवमी के उपलक्ष्य में मुंबई के जुहू में इस्कॉन मंदिर की शोभा यात्रा निकाली गई। राम नवमी पर भगवान राम की नगरी अयोध्या में अलग ही उल्लास है। भारी संख्या में देशभर से श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं।

गृहमंत्री विजय शर्मा ने की पुलिस कमांडरों से बातचीत, 29 नक्सलियों को ढेर करने पर दी बधाई

रायपुर। अबूझमाड़ के हापाटोला में हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों के 29

नक्सलियों को मार गिराए जाने के बाद उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने हार्डकोर नक्सलियों को मार गिराने वाले पुलिस कमांडरों से बात कर उन्हें बधाई दी। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने वीडियो कॉलिंग के जरिए बात करते हुए जवानों का उत्साहवर्धन करते हुए सावधानी बरतने की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि आईजी और एससी साहब से भी मेरी बात हुई है।

इंडी गठबंधन के पक्ष में मजबूत लहर, 150 सीटों तक सिमटेगी भाजपा, राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोला बीजेपी पर हमला

गाजियाबाद, 17 अप्रैल [एजेंसी]।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव बुधवार को गाजियाबाद पहुंचे हैं। यहां कौशांबी स्थित रेडिशन ब्लू होटल में दोनों नेताओं ने आईएनडीआईए गठबंधन की कांग्रेस प्रत्याशी डॉली शर्मा के समर्थन में प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इस दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि पश्चिम से चल रही हवा यूपी और देश में बदलाव लाएगी और इंडी गठबंधन गाजियाबाद से गाजीपुर तक क्लीन स्वीप करेगा। लूट और झूठ एनडीए गठबंधन की पहचान बन गया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि एक भी वोट बंट न पाए। मतदान करें सावधान रहें बूथ की चौकीदारी करें। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, ये विचारधारा का चुनाव है। इंडी गठबंधन संविधान और लोकतंत्र की रक्षा कर रहा है। बेरोजगारी, महंगाई, भागीदारी ये हमारे मुद्दे हैं। पीएम मोदी समुद्र के नीचे चले जाते हैं या आसमान में चले जाते हैं,

उन्हें मुद्दों की परवाह नहीं हैं। लोकसभा चुनाव का बिगुल बजे कई दिन बीत चुके हैं। भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रोड शो कर चुके हैं। उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित थे।

जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भाजपा प्रत्याशी के नामांकन के दिन जनसभा को संबोधित कर चुके हैं। इसी तरह बसपा प्रत्याशी के समर्थन में मायावती के भतीजे आकाश आनंद भी जनसभा को संबोधित कर चुके हैं, लेकिन अभी तक आइएनडीआइए गठबंधन की कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में कोई बड़ा नेता रोड शो व जनसभा को संबोधित करने नहीं पहुंचा था।

पहाड़ियों से चलाया गया ऑपरेशन, कांकेर में मिली सफलता पर बीएसएफ डीआईजी का खुलासा

कांकेर। अबूझमाड़ के हापाटोला में हुई नक्सली मुठभेड़ में बीएसएफ और डीआरजी की संयुक्त टीम ने 29 नक्सलियों को मार गिराया है। इस कार्रवाई के बाद बीएसएफ के डीआईजी ने इस ऑपरेशन की पूरी रणनीति का खुलासा किया है और उन्होंने कहा है कि ये कांकेर की जनता को तोहफा है। बीएसएफ के डीआईजी आलोक सिंह ने कहा है कि नई रणनीति का असर है जिससे 29 नक्सली मारे गए। उन्होंने कहा कि नक्सलियो को चारों तरफ से घेरकर उन्हें आगे ही नहीं बढ़ने दिया गया और एक तरफ से आई सर्चिंग टीम ने नक्सलियो का काम तमाम कर दिया। बीएसएफ के डीआईजी ने कहा खड़ी पहाड़ियों से ये पूरा ऑपरेशन किया गया है। उन्होंने बताया कि 17 ऑटोमैटिक वेपन्स जब्त हुए है।

मारे गए नक्सलियों में 15 पुरुष और 14 महिला शामिल

एसपी कल्याण एलिसेला ने इस पूरे मामले की जानकारी दी है। मारे गये नक्सलियों में 14 महिला जबकि 15 पुरुष नक्सली शामिल है। घटनास्थल में करीब 60 से ज्यादा नक्सली मौजूद थे जबकि पुलिस जवानों की संख्या 200 के करीब थी। छत्तीसगढ़ समेत पूरे देश में लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। 19 अप्रैल को पहले चरण का मतदान होना है। ऐसे में चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों ने नक्सल विरोधी अभियान तेज कर दिया है।

इजरायल ने दक्षिणी गाजा के राफा में किया हमला, सात लोगों की मौत

तेलअवीव, 17 अप्रैल ।

इजरायल वायु सेना ने दक्षिणी गाजा के राफा में एक इमारत पर हमला किया। इस हमले में सात लोगों की मौत हो गई। इजरायली मीडिया के मुताबिक, हमला बुधवार सुबह हुआ। अमेरिका और इजरायल के अन्य सहयोगियों ने इजरायल से राफा पर हमला नहीं करने को कहा था क्योंकि इस क्षेत्र में लगभग 13 लाख लोगों की आबादी है।

मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी ने अपनी यात्रा के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन को सूचित किया था कि राफा पर इजरायली हमलों को रोका जाना चाहिए। मिस्र को चिंता है कि राफा पर हमले से मिस्र के सिनाई क्षेत्र में शरणार्थियों का पलायन हो जाएगा, जो राफा के साथ सीमा साझा करता है।

पिछले साल 7 अक्टूबर के हमास के हमले के बाद 27 अक्टूबर 2023 को गाजा में इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) के जमीनी आक्रमण के बाद से 33 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए। मोसाद और शिन बेट सहित इजरायली खुफिया एजेंसियों ने इजरायली युद्ध कैबिनेट को राफा क्षेत्र में अधिकांश बंधकों की मौजूदगी की जानकारी दी है और हमास के आतंकवादी उन्हें मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।

आतंकियों को घर में घुसकर मारेंगे, पीएम मोदी के बयान पर अमेरिका ने दी प्रतिक्रिया, मदद की आस लगाए पाकिस्तान को झटका

वाशिंगटन, 17 अप्रैल [एजेंसी]।

आतंकवाद के खिलाफ मोदी सरकार की नो टॉलरेंस पॉलिसी से पाकिस्तान पूरी तरह बौखला उठा है। दरअसल, भारत अब न सिर्फ अपने देश में आतंकियों का सफाया कर रहा है बल्कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में बैठे आतंकियों का भी सफाया करने में जुटा है। कुछ दिनों पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि आतंकियों को उनके घर में घुसकर मारने से नहीं हिचकिचाएंगे। वहीं, पिछले कुछ दिनों के भीतर पाकिस्तान में कई आतंकवादियों को मौत के घाट उतार दिया गया।

हालांकि,इन आतंकियों की हत्या किसने की है, इसबात की जानकारी पाकिस्तान सरकार के पास नहीं है। पाकिस्तान ने आरोप लगाया है कि भारत के खुफिया एजेंसी यानी RAW के

एजेंट्स पाकिस्तान की धरती पर आतंकियों को निशाना बना रहे हैं। पाकिस्तान के जरिए लगाए जा रहे इस आरोप पर अमेरिका ने भी प्रतिक्रिया दी है। हालांकि, अमेरिका ने जो कहा है वो पड़ोसी मुल्क को पसंद नहीं आई होगी। घर में घुसकर मारेंगे वाले बयान पर अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा, जैसा कि मैंने पहले कहा है, अमेरिका पाकिस्तान और भारत के बीच में नहीं आने वाला है। दोनों देश बातचीत के जरिए मुद्दों को सुलझाएं।

जब मिलर से पूछा गया कि खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नून की कथित हत्या की साजिश को लेकर अमेरिका ने भारत पर कोई प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया है, तो मिलर ने कहा, मैं कभी भी किसी भी प्रतिबंध की कार्रवाई का पूर्वावलोकन नहीं करने जा रहा हूं। अमेरिका प्रतिबंधों के बारे खुलकर चर्चा नहीं करता। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान के नागरिकों को मनमाने ढंग से आतंकवादी करार देना और सजा देने का दावा करना साबित करता है कि वो दोषी हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यह जरूरी है कि वह भारत को उसकी गैरकानूनी गतिविधियों के लिए जिम्मेदार ठहराए।

रेगिस्तानी मुल्क में बाढ़ जैसे हालात, एक दिन की बारिश में ही पानी-पानी हुआ दुबई, एयरपोर्ट-स्टेशन सब बंद

दुबई, 17 अप्रैल ।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और उसके आसपास के देशों में जमकर बारिश हुई। बारिश इतनी तेज हुई की कई जगहों पर बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए। भारी बारिश के चलते यूएई में प्रमुख राजमार्गों के कुछ हिस्सों में लबालब पानी भर गया और पूरे दुबई में सड़कों पर खड़े वाहन पानी में डूबे नजर आए। इसके अलावा, भारी बारिश के कारण यूएई के प्रशासन ने मंगलवार को लोगों से घरों में ही रहने का अनुरोध किया। स्कूलों ने कक्षाएं आनलाइन आयोजित कीं। सरकारी कर्मचारियों से भी घरों से कार्य करने को कहा गया। दुनिया के व्यस्तम हवाई अड्डों में से एक दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (डीएक्सबी) पर करीब 25 मिनट संचालन बंद रहा। इस कारण कई उड़ानें रद करनी पड़ीं और कई विलंबित हो गईं। कई राजमार्गों और सड़कों से पानी निकालने के लिए प्रशासन को बड़े-बड़े पंप लगाने पड़े। पानी इतना भर चुका था कि कई गाड़ियां डूब गईं।

कांकेर में सबसे बड़े एनकाउंटर के बाद नारायणपुर में नक्सलियों की कायराना करतूत, भाजपा नेता को उतारा मौत के घाट

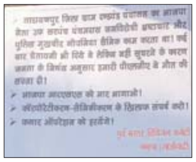

नारायणपुर 17 अप्रैल । छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में नक्सलियों के खिलाफ हुई अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई के एक दिन बाद नारायणपुर में नक्सलियों ने कायराना करतूत का अंजाम दिया है। नक्सलियों ने यहां एक भाजपा नेता की हत्या कर दी है। खबरों के अनुसार बड़ी संख्या में नक्सली नारायणपुर के दंडवन ग्राम में मंगलवार बीती रात लगभग 11 बजे भाजपा कार्यकर्ता और उपसरपंच पंचम दास मानिकपुरी उर्फ गोलू शक्तिकेंद्र सह संयोजक के घर आ धमके। नक्सली भाजपा नेता के घर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे और धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी। इसके बाद नक्सलियों ने मौके पर एक पर्चा भी छोड़ा है। नक्सलियों ने इस पर्चे में मृतक भाजपा नेता पर भ्रष्टाचार के साथ पुलिस के लिए मुखबिरी करने आरोप लगाया है। नक्सलियों ने पर्चे में लिखा कि कई बार चेतावनी दिए जाने के बाद भी मृतक भाजपा नेता पुलिस के लिए मुखबिरी कर रहा था। इस वजह से उसकी हत्या करने का निर्णय लिया। एडिशनल एसपी राबिंसन गुड़िया ने इस घटना की पुष्टि की है। इस घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। वहीं पुलिस ने इलाके में सर्चिंग तेज कर दी है।

स्वीप के तहत कमला नेहरू महाविद्यालय में रंगोली एवं नारा लेखन प्रतियोगिता हुई आयोजित

ग्रामीण क्षेत्रों में भी निरंतर चलाए जा रहे मतदाता जागरूकता अभियान

कोरबा । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अजीत वसंत के निर्देशन एवं स्वीप नोडल अधिकारी श्री संबित मिश्रा सीईओ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के मार्गदर्शन में कमला नेहरू महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत नारा लेखन प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता एवं मतदाता शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वीप प्रभारी श्रीमती ज्योति दीवान के नेतृत्व में ईएलसी क्लब के सदस्य एवं सभी छात्र-छात्राओं ने उपरोक्त कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति देकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया।कमला नेहरू महाविद्यालय में विगत दिवस आयोजित नारा लेखन प्रतियोगिता में कुमारी विनीता पटेल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा प्रतीक यादव द्वितीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार रंगोली प्रतियोगिता में सुभा महंत प्रथम स्थान, ममता बंजारे द्वितीय स्थान एवं पोस्टर प्रतियोगिता में विनीता पटेल प्रथम स्थान, द्वितीय स्थान कुमारी गीता ने प्राप्त किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रभारी प्राचार्य डॉ प्रशांत बोपापुरकर ने बधाई दी एवं समस्त छात्र-छात्राओं को मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का प्रचार प्रसार करने के लिए प्रेरित किया। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट शासकीय विद्यालय गोपालपुर में विद्यार्थियों द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान के तहत मतदान हेतु शपथ एवं मानव श्रृंखला बनाकर मतदान करने का संकल्प लिया गया तथा मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। भारत स्काउट एवं गाइड आदिवासी कन्या आश्रम तुमान की छात्रा बुलबुल ने महिलाओं को हाथों में मेहंदी लगाकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया। इसी प्रकार ग्राम पंचायत रजगामार में ग्रामीणों द्वारा मतदाता जागरूकता के लिए शपथ लेकर रैली निकाली। ग्राम पंचायत ढेंगुरडीह में स्वसहायता समूह की महिलाओं के द्वारा दीवारों पर नारा लेखन करके शत-प्रतिशत मतदान का संदेश दिया।

मतदान के लिए किया जागरूक

कोरबा । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अजीत वसंत के निर्देशन एवं स्वीप नोडल अधिकारी श्री संबित मिश्रा सीईओ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के मार्गदर्शन में लोकसभा निर्वाचन 2024 के दौरान शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में युवा, महिला, पुरूष सहित स्कूल-कॉलेजों के छात्र-छात्राओं द्वारा लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने हेतु नुक्कड़-नाटक, रैली, नारा-लेखन, निबंध, भाषण, मेहंदी प्रतियोगिता, पोस्टर निर्माण जैसे अनेक कार्यक्रमों के माध्यम से शत-प्रतिशत मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है।

इसी श्रृंखला में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय दर्री में मतदाता जागरूकता हेतु नारा एवं कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। जनपद पंचायत कटघोरा के शासकीय हाईस्कूल स्याहीमुड़ी में मतदान जागरूकता और लोकसभा निर्वाचन 2024 विषय पर चित्रकला एवं पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने मतदाता जागरूकता संबंधी चित्र एवं पोस्टर बनाकर प्रदर्शन किया।

जनपद पंचायत कटघोरा अंतर्गत कुम्हारपारा हरदीबाजार में ग्रामीण महिलाओं एवं पुरूषों द्वारा मतदान जागरूकता के लिए शपथ एवं रंगोली बनाकर लोकतंत्र को मजबूत करने का संदेश दिया। इसके साथ ही ग्राम पंचायत अलगीडांड में महिलाओं के द्वारा मतदान जागरूकता अभियान चलाकर गांव में रैली निकाली गई।

कोरबा लोकसभा क्षेत्र की जनता ज्योत्सना को फिर चुनकर भेजेगी संसद

कोरबा, कोरबा में मंगलवार को मीडिया से चर्चा के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा प्रत्याशी को लेकर खुलासा करते हुए एक बड़ी बात कह दी। इसके बाद राजनीतिक चर्चाओं में यह बात और बयान सुर्खियां बटोर रहा है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस कोरबा सहित छत्तीसगढ़ की अधिकांश सीट जीत रही है। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय को लेकर एक सवाल के जवाब में कहा कि मैं भी दुर्ग से हूं और यहां की भाजपा प्रत्याशी भी दुर्ग की हैं, हम उन्हें करीब से जानते हैं। उन्हें हम तब से जानते हैं, जबसम्भवत: यह बात ज्यादातर लोगों को पता नहीं। है श्री बघेल के इस खुलासे के बाद इसकी चर्चा हर जुबान पर हैरत के साथ है। उन्होंने यह भी कहा कि दुर्ग में दाल नहीं गली तो यहां आ गईंज,मुझे पूरा भरोसा है कि कोरबा की जनता ज्योत्सना महंत को ही दूसरी बार सांसद चुनकर फिर से संसद भेज रही है।

बांग्ला नववर्ष पर विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुति

कोरबा । अंचल के मेहर वाटिका में कोरबा बंग समाज के सदस्यों द्वारा बांग्ला नव वर्ष का उत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में कोरबा बंग समाज के सदस्यों एवं उनके परिवारों द्वारा संपूर्ण बांग्ला भाषा में गीत, नृत्य एवं आवृति की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। लगभग ८00 की संख्या में कोरबा बंग समाज के परिवारों ने मंत्रमुग्ध कर देने वाली सांस्कृतिक कार्यक्रम का लुफ्त उठाया।

नव वर्ष के कार्यक्रम का शुभारंभ कोरबा बंग समाज के अध्यक्ष डॉ. के.सी. देवनाथ, डॉ. आशीष पाल, गोपाल खस्तगीर, टी.डी. सेन एवं श्रीमती शिप्रा दास द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रारंभ मधुमिता घटक के रविंद्र संगीत से हुआ। उसके पश्चात नृत्य में रोशनी मंडल, प्रिया गोरायी, रिया मुखर्जी, श्रेयसी सरकार, रितिका शीट, सपना बासु, मयुख मुखर्जी, सायोनी भट्टाचार्य, रिमझिम भट्टाचार्य ने प्रमुख रूप से लोक नृत्य एवं भरतनाट्यम की प्रस्तुति दी। प्रख्यात तबला वादक एवं केएन कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. कुणाल दासगुप्ता अपने शिष्यों के साथ कथक नृत्य का लाइव प्रस्तुति दी जिसने लोगों का मनमोह लिया। गायन में अतिन मंडल, शंकर बासु, अपूर्वा, अमित बनर्जी, इशिता पाल, स्मरणी बासु, मौसमी पाल एवं आवृत्ति में मीनाक्षी बासु राय ने दर्शकों का अपनी प्रस्तुति से दिल जीत लिया।

संपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम के मंच संचालन की जिम्मेदारी डीएवी एसईसीएल कोरबा की शिक्षिका श्रीमती काकोली डे बाला, संजय घोष एवं जय मुखर्जी ने मिलकर परिष्कृत बांग्ला भाषा में किया। विनोद डे एवं शैलेंद्र के हरफनमौला ग्रुप द्वारा शानदार विशाल एलईडी स्क्रीन ने मंच की सुंदरता को चार चांद लगा दिया। साउंड सिस्टम में संजय कविराज के संजय साउंड सर्विस ने सुमधुर एवं कर्णप्रिय आवाज से कार्यक्रम का समा बांध दिया। कार्यक्रम का समापन कोरबा बंग समाज के परिवारों ने स्वादिष्ट रात्रि भोज के साथ किया।

एसईसीएल कुसमुण्डा में हुई कार्यशाला

कोरबा। एसईसीएल में संविदा आधार पर किए जाने वाले कार्यों के बिलों की मोड के जरिये ही भुगतान करने की दिशा में काम किया जा रहा है। फेज-1 में सिविल एवं ईएंडएम विभाग के बिलों को प्रक्रिया के जरिये भुगतान करने पर कार्य किया जा रहा है।इसी कड़ी में एसईसीएल कुसमुंडा क्षेत्र में भुगतान की द्ब-स्त्रक्क प्रक्रिया को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें एसईसीएल मुख्यालय के सिविल विभाग के अधिकारियों द्वारा से बिल भुगतान प्रक्रिया के बारे में उपस्थितों को बताया गया।द्ब-स्त्रक्क के लागू होने से बिल भुगतान की प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी

कांग्रेस प्रत्याशी समेत 04 ने किया नामांकन दाखिल

कोरबा । लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 04 कोरबा के लिए आज 04 अभ्यर्थियों ने नामांकन दाखिल किए। जिसके अंतर्गत बहुजन समाज पार्टी के अभ्यर्थी श्री दूजराम बौद्ध, भारतीय जनता पार्टी से सुश्री सरोज पाण्डेय, इंडियन नेशनल कांग्रेस से श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत एवं निर्दलीय अभ्यर्थी श्री महेन्द्र कुमार श्रीवास शामिल हैं। अब तक कुल 05 अभ्यर्थियों ने नामांकन पत्र जमा किया है।नामांकन पत्र क्रय करने के क्रम में आज कुल 04 अभ्यर्थियों ने जिला कार्यालय पहुंचकर नामांकन पत्र क्रय किया। जिसमें केवल भारती गोस्वामी निर्दलीय, श्री प्रताप सिंह भानू निर्दलीय, पालन सिंह उरांव निर्दलीय एवं जयचंद्र सोनपाकर निर्दलीय ने नामांकन पत्र क्रय किया। अब तक कुल 17 अभ्यर्थियों ने नाम निर्देशन पत्र क्रय किया है।

पेट में रखी ज्योति कलश

कोरबा। आदि शक्ति की 9 दिन तक चलने वाली भक्ति के पर्व नवरात्र पर्व पर माँ की भक्ति के ऐसे नजारे दिखाई पड़ते हैं, जिसमें भक्तों की अटूट श्रद्धा शोभित होती है।ऐसा ही माँ की भक्ति की अटूट श्रद्धा का की उदाहरण पाली विकासखंड के ग्राम नेवसा में नजर आ रहा है। 9 दिन तक चलने वाले इस पर्व पर एक संकल्प के साथ निर्जल व्रत रहकर नेवसा निवासी 33 वर्षीय श्रीमती ईश्वरीय चौहान द्वारा लकड़ी के पटरा पर कील ठोकर पीठ के बल लेटकर पेट में जलते हुए मनोकामना ज्योति कलश को रखी हुई हैं। आमतौर पर पेट पर जलते मनोकामना ज्योति कलश रखने वाला भक्ति का स्वरूप दिखा है, किंतु खिले पर लेटकर पेट में ज्योतिकलश रखकर भक्ति का ऐसा स्वरूप कभी कभार ही दिखा है। इस संबंध में ईश्वरीय चौहान पति छोटेलाल चौहान ने बताया कि एक वर्ष पूर्व से सपने में छोटी बच्ची दिखाई पड़ रही थी, जो पूजा करने के लिए प्रेरित कर रही थी

वृहद् निशुल्क दंत रोग, अस्थि खनिज, घनत्व जांच तथा आयुर्वेद चिकित्सा परामर्श एवं उपचार शिविर का 19 अप्रैल को आरपी नगर के शिव औषधालय में होगा आयोजन

कोरबा। मारवाड़ी ब्राह्मण विकास समिति के संस्थापक सदस्य एवं शिव औषधालय के संस्थापक स्व पंडित विद्याधर शर्मा की पुण्यतिथि के अवसर पर मारवाड़ी ब्राह्मण विकास समिति एवं शिव औषधालय के संयुक्त तत्वाधान में वृहद् निशुल्क दंत रोग, अस्थि खनिज, घनत्व जांच तथा आयुर्वेद चिकित्सा परामर्श एवं उपचार शिविर श्री शिव औषधालय एमआईजी 20 आरपी नगर फेस 2 में 19 अप्रैल शुक्रवार को प्रात: 10 बजे से 2 बजे तक आयोजित कीया गया है। जिसमे आँख, नाक, कान, गला, दंतरोग, चर्मरोग, गुदरोग, शिशुरोग, स्त्रीरोग, वातरोग, श्वास रोग आदि सभी प्रकार के रोगों का निशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं उपचार आयुर्वेद के सभी विभागों के अनुभवी चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा किया जाएगा। मारवाड़ी ब्राह्मण विकास समिति के कार्यकारिणी सदस्य एवं संस्थान के प्रमुख चिकित्सक डॉ.नागेन्द्र नारायण शर्मा ने मंगलवार को कोरबा प्रेस क्लब के तिलक भवन में प्रेस वार्ता लेकर शिविर के विषय में जानकारी दी। उन्होंने कहा की मेरे पूज्य दादाजी, मारवाड़ी ब्राह्मण विकास समिति के संस्थापक सदस्य एवं शिव औषधालय के संस्थापक स्वर्गीय परम पूज्य पंडित विद्याधर शर्मा ने विश्व कल्याण की मंगल भावना, सर्वे भवंतु सुखिन:, सर्वे संतु निरामया- की कामना के साथ नर सेवा ही नारायण सेवा है ऐसे पवित्र उद्देश्य को लेकर शिव औषधालय नामक आयुर्वेद संस्थान की स्थापना की। जिसके माध्यम से न केवल रोगोपचार कीया जाता है, अपितु जीवन के उद्देश्यों को बताकर स्वस्थ जीवन जीने की कला भी सिखाई जाती है। जो की आयुर्वेद का प्रयोजन भी है की स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणं, आतुरस्य विकार प्रशमनं च, अर्थात स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना एवं रोगी व्यक्ति के रोग को दूर करना। और हम भी नर सेवा नारायण सेवा को अपना ध्येय बनाकर उनके बताये मार्ग पर निरंतर अग्रसर हो रहे हैं। उसी तारतम्य मे उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर वृहद् निशुल्क दंत रोग, अस्थि खनिज, घनत्व जांच तथा आयुर्वेद चिकित्सा परामर्श एवं उपचार शिविर कि आयोजन श्री शिव औषधालय एमआईजी 20 आरपी नगर फेस 2 में प्रात: 10 बजे से 2 बजे तक किया जा रहा है। जिसमे आयुर्वेद के सभी विभाग के चिकित्सक अपनी चिकित्सकीय सेवायें देंगे। जिसमें रायपुर के ख्यातिलब्ध दंत चिकित्सक डॉ. विकास अग्रवाल विशेष रुप से अपनी सेवायें देने आ रहे हैं। जो सभी प्रकार के दांत के रोगों का इलाज करने के साथ-साथ ऐसे दंत रोगी जिनके दांत सड़ गयें हो, दर्द रहता हो, निकलवाला चाहते हों, पर शुगर, बीपी या अन्य कारणों से नही निकलवा पा रहे हों, उनके दांतों को बिना किसी किसी एनेस्थिसिया, बिना किसी दर्द के आयुर्वेद की विशेष विधा जालंधर बंध द्वारा निकालेंगे। शिविर मे बीएमडी मशीन द्वारा अस्थि खनिज घनत्व (बोन मिनरल डेंसिटी) 2000/- मूल्य की निशुल्क जांच दिल्ली के टैक्नीशियन द्वारा की जायेगी। मरीजों की रक्त शर्करा तथा हीमोग्लोबिन की जांच निशुल्क की जायेगी। साथ ही आंखों की जांच निशुल्क कर चश्मे का नंबर का कार्ड बनाकर दीया जायेगा। साथ ही यौन संक्रमित, यौन संचारित ,टी.बी.से सम्बंधित रोगों की भी जांच परामर्श एवं उपचार एड्स काउंसलर तथा उनकी टीम द्वारा किया जायेगा।शिविर मे निशुल्क औषधि देने, परामर्श एवं उपचार के साथ स्वास्थ्य पुस्तिका निशुल्क दी जायेगी। शिविर में दंत रोग चिकित्सक डॉ. विकास अग्रवाल, आयुर्वेद चिकित्सा विशेषज्ञ नाड़ीवैद्य पंडित शिव कुमार शर्मा, गुदरोग विशेषज्ञ क्षारसूत्र चिकित्सक डॉ.आर.जी. साहू, सिकलिंग रोग डॉ.प्रदीप देवांगन, स्त्री रोग चिकित्सिका द्वय डॉ.नंदिनी तिवारी तथा डॉ. वागेश्वरी शर्मा, त्वचा रोग डॉ.एन.एल.वीरानी, डॉ.सुरेंद्र मिश्रा, डॉ.संजय वैष्णव, डॉ. युगेश नारायण शर्मा, डॉ.राजेश राठौर, डॉ. जितेन्द्र नारायण शर्मा एवं डॉ. नागेन्द्र नारायण शर्मा विशेष रूप से उपस्थित होकर शिविर में अपनी सेवाएँ प्रदान करेंगे।

मारवाड़ी ब्राह्मण विकास समिति के अध्यक्ष बिमल जोशी एवं कार्यकारणी सदस्य डॉ.नागेन्द्र नारायण शर्मा ने अधिक से अधिक संख्या में अंचलवासियों से उपस्थित होकर इस वृहद् वृहद् निशुल्क दंत रोग, अस्थि खनिज, घनत्व जांच तथा आयुर्वेद चिकित्सा परामर्श एवं उपचार शिविर का लाभ उठाने की अपील की है ।शिविर में पंजीयन कराने हेतु मो.नंबर 9826111738 पर संपर्क कर जांच हेतु निर्धारित समय प्राप्त किया जा सकता है जिससे शिविरार्थियों को असुविधा न हो । प्रेस वार्ता में शिव औषधालय संस्थान के प्रमुख चिकित्सक नाड़ीवैद्य डॉ.नागेंद्र नारायण शर्मा, मारवाड़ी ब्राह्मण विकास समिति के अध्यक्ष बिमल जोशी, चलो आयुर्वेद की ओर मिशन के सदस्य नेत्र नंदन साहू एवं मारवाड़ी ब्राह्मण विकास समिति के पदाधिकारी सदस्य उपस्थित रहे ।

मांयुम ने खोला प्याऊ

कोरबा । जनहित एवं सामाजिक कार्यों की क्षेत्र की अग्रणी संस्था मारवाड़ी युवा मंच दर्री जमनीपाली द्वारा इस भीषण गर्मी को देखते हुए राहगीरों के लिए दर्री जमनीपाली क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर अस्थाई प्याऊ का शुभारंभ छत्तीसगढ़ प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष मनीष अग्रवाल द्वारा किया गया।मनीष अग्रवाल ने कहा की दर्री जमनीपाली मारवाड़ी युवा मंच की कोरबा जिले में सेवा कार्यों के लिए एक अलग पहचान है एवं इसी प्रकार सदैव जनहित कार्य में अपनी महती भूमिका निभाती है।प्रांतीय संयुक्त मंत्री सुमित अग्रवाल ने कहा की आगे भी विभिन्न जगहों पर जरूरत के हिसाब से अमृतधारा प्याऊ की व्यवस्था की जायेगी। निर्वृतमान अध्यक्ष राकेश गोयल एवं नवनियुक्त अध्यक्ष पारस अग्रवाल ने बताया की मानव सेवा के साथ विभिन्न स्थानों पर पशुओं के लिए मंच द्वारा कोटना की व्यवस्था भी की गई है।

आधीरात को कलेक्टर-एसपी ने किया चेकिंग पॉइंट का निरीक्षण

कोरबा । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अजीत वसंत और पुलिस अधीक्षक श्री सिद्दार्थ तिवारी ने बीती रात लोकसभा निर्वाचन के लिए गठित स्थैतिक जांच दलों और उड़नदस्तों द्वारा जिले के महत्वपूर्ण स्थानों पर की जा रही जांच व कार्यवाही की टोह ली। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री संबित मिश्रा भी उपस्थित थे। कलेक्टर ने रामपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत उच्चभट्ठी, उमरेली और लबेद (तुमान) में स्थैतिक निगरानी दल द्वारा जाँच पॉइंट पर की जा रही जांच को न सिर्फ देखा, बल्कि जांच के दौरान सम्पूर्ण प्रक्रिया का वीडियोग्राफी कराने और बरती जाने वाली सतर्कता और सावधानियों को लेकर भी उन्होंने महत्वपूर्ण निर्देश दिए।कलेक्टर ने सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश के अनुसार कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिए हैं। लोकसभा निर्वाचन के लिए गठित स्थैतिक जांच दलों और उड़नदस्तों के प्रत्येक दल में एक मजिस्ट्रेट सहित सहायक अधिकारी, कर्मचारी और पुलिस कर्मी चेक पोस्ट पर कार्यरत हैं।

यह दल प्रमुख मुख्य मार्गीय सड़कों, जिले की सीमाओं पर चेक पोस्ट स्थापित कर जांच अभियान में जुटा है और अपने क्षेत्र में अवैध शराब, रिश्वत की वस्तुओं या भारी मात्रा में नकदी, हथियार एवं गोला-बारूद के लाने एवं ले जाने तथा असामाजिक तत्वों की आवाजाही पर भी नजर रख रहा है। जांच किये जाने की संपूर्ण प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई जा रही है तथा निर्धारित फार्मेट में दैनिक कार्यकलाप की रिपोर्ट भी तैयार की जा रही है। कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में हो रही इस जांच में सतर्कता और सावधानी बरतने के निर्देश है।

14 चेकपोस्टों में स्थैतिक निगरानी दल और 12 उड़नदस्ता सक्रिय -

जिले के लोकसभा क्षेत्रों में कानून व्यवस्था बनाएं रखने तथा जांच के लिए कुल 14 चेकपोस्ट बनाएं गए हैं, जहां स्थैतिक निगरानी दल कार्यरत है। यहां तहसीलदारों को नोडल अधिकारी बनाते हुए तीन पाली में प्रात: 6 बजे से दोपहर 2 बजे, दो बजे से रात्रि 10 बजे और रात्रि 10 बजे से प्रात: 6 बजे का शिप्ट निधारित किया गया है। विधानसभा रामपुर अंतर्गत कुदमुरा, ठेंगरीमार, रामपुर, उमरेली, लबेद, उच्चभट्ठी, कनकी में, कटघोरा विधानसभा अंतर्गत सरईसिंगार, कसियाडीह बेरियर, पाली-तानाखार विधानसभा अंतर्गत लाफा बेरियर, बगदेवा, अमझर, कोरबी बेरियर, मोरगा बेरियर में टीम तैनात है। इसी तरह जिले में उड़नदस्तों द्वारा भी कार्यवाही की जा रही है। एक-एक विधानसभा क्षेत्रों में 3 दल गठित किए गए हैं। यहां भी तीन पालियों में 24 घंटे टीम तैनात है।

पूर्व विधायक के कार्यालय के सामने शीतल शरबत मंदिर का शुभारम्भ

कोरबा। आज प्रात: 11:00 बजे कोरबा विधायक कार्यालय टी. पी. नगर कोरबा के सामने शीतल शरबत का विधिवत शुभारम्भ पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने किया। जयसिंह अग्रवाल की ओर से शांति देवी मेमोरियल सोसाईटी इसका संचालन करेगा। शीतल शरबत मंदिर का विधिवत शुभारम्भ जयसिंह अग्रवाल ने शरबत पिला कर किया। जयसिंह अग्रवाल ने इस मौके पर कहा कि गर्मी के मौसम में प्यास से बेहाल लोगों को शीतल पेयजल व शीतल शरबत उपलब्ध कराना पुनीत कार्य है। यह कोरबा का प्रमुख मार्ग है और अब राहगीरों को इस गर्मी के मौसम में प्रतिदिन यहां शीतल शरबत मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि पिछले कई वर्षो से जयसिंह अग्रवाल के द्वारा उक्त स्थल पर प्रतिवर्ष शीतल जल व शीतल शरबत का नि:शुल्क वितरण कराया जाता है।

पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने बताया पिछले कई वर्षों से शीतल शरबत मंदिर का अच्छा प्रतिसाद मिला। लोगों ने इस पुनीत कार्य को नेक कार्य बताया और इस नेक कार्य की क्षेत्रवासियों ने सराहना की। इस मौके पर विशिष्ट रूप से उपस्थित श्रीकांत बुधिया ने कहा कि ''जलदान ही महादान'' की प्राचीन परंपरा का निर्वहन करते हुए पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल के द्वारा अपने क्षेत्र में शीतल शरबत मंदिर का संचालन कराया जा रहा है। जो समाज के लिए एक अनुकरणीय सेवा कार्य है।पूर्व नेता प्रतिपक्ष मुकेश राठौर ने बताया कि प्रतिदिन यहां भिन्न-भिन्न फ्लेवर के शरबत का वितरण कराया जाता है। जिसमें मैंगो, ऑरेंज, नींबू, चीकू, अनानस आदि फ्लेवर होते है। इस मौके पर विशेष रूप से उपस्थित वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी लक्ष्मी नरायण देवांगन ने बताया कि किसी प्यासे को पानी पिलाना परोपकार और मानवता की सेवा है। उन्होने कहा कि पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल की गर्मी के मौसम में यह अनूठी पहल सराहनीय है। सहकारिता प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बंटी शर्मा ने कहा कि शीतल शरबत मंदिर का संचालन करना अपने आप में एक पुण्य कार्य है। उक्त स्थल पर प्रतिदिन हजारों लोगों की प्यास बुझेगी और वे सभी विधायक जयसिंह अग्रवाल को दिल से धन्यवाद देंगे। इस मौके पर नत्थुराम यादव, सत्येन्द्र वासन, उषा तिवारी, भावना जायसवाल, राजेन्द्र सिंह ठाकुर, विकास सिंह, राकेश पंकज, मस्तुल कंवर, डॉ ओम प्रकाश, सत्या साहू, गीता महंत, विनोद अग्रवाल सहित अनेकों कार्यकर्ता व आम लोग उपस्थित थे।

चक्काजाम करने पर मामला दर्ज

कोरबा । कोरबा जिलान्तर्गत बालको-परसाभाठा मार्ग में नवधा पंडाल के पास हुए हादसे में ऑटो चालक की मृत्यु के मामले में चक्काजाम करने व शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन को लेकर दो अलग-अलग अपराध पुलिस ने दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार एक शिकायत में कहा गया है कि 14 अप्रेल को शाम लगभग 6 बजे कुछ अज्ञात 5-10 लोगों के द्वारा परसाभाठा मेन रोड में शव को रखकर नारेबाजी, अपशब्द बोलना एवं आने -जाने वाले लोगों से विवाद किया गया।कहा जा रहा हैं की शव का इस प्रकार अपमान रोड में करना जो आने-जाने की सड़क है जिस पर सैकडों वाहनों एवं लोगों व पशुओं का आवागमन होता है एवं गंदगी रहती है उस पर शव को रखकर शव का अपमान किया गया जिससे मानवीय भावनाओं को क्षति पहुंची है। बालको पुलिस ने धारा 279, 34 के तहत अज्ञात लोगो के विरुद्ध जुर्म दर्ज किया है।इसी तरह एक वाहन चालक की रिपोर्ट पर 40-50 व्यक्तियों पर धारा 294, 34, 341-द्बक्कष्ट का जुर्म दर्ज किया गया है। आरोप है कि 13 अप्रैल को दुर्घटना की बात को लेकर कुछ असामाजिक तत्व परसाभाठा बजरंग चौक पास चक्का जाम किये थे। प्रार्थी अपना कैंपर वाहन लेकर बालको से कैंप आरकेटीसी की ओर जा रहा था।

अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझी, 3 आरोपी सहित 1 नाबालिग गिरफ्तार

कार को लूटने के लिए किराए पर लेकर चालक की कर दी गला घोटकर हत्या

जांजगीर-चांपा। कार चालक की अंधे कत्ल की गुत्थी आखिरकार पुलिस ने सुलझा ली है। प्लान बनाकर अमरकंटक जाने के लिए किराए पर कार की बुकिंग कराई गई, इसके बाद केवल कार को लूटकर बेचने के लिए एक युवक (चालक) की गला घोटकर निर्मम की हत्या कर दी। लाश को ठिकाने लगाने के लिए कार में लेकर शव को लेकर घूमते रहे। ठिकाना लगाने के बाद कार को लेकर फरार हो गए। पुलिस लूटी हुई कार को बरामद कर लिया। साथ ही तीन आरोपी सहित एक नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया है। प्रेस कांफ्रेंस में एएसपी राजेन्द्र कुमार जायसवाल ने बताया कि 13 अप्रैल को रंजीत उर्फ विवेक पुरी गोश्वामी द्वारा ग्राम कोटमीसोनार से अमरकंटक जाने के लिए कार बुकिंग कराया। तब रमाकांत तिवारी द्वारा कार डिजायर को लेकर रात 9 बजे ग्राम कोटमीसोनार लेकर

गया। 14 अप्रैल को सुबह चालक रमाकांत तिवारी का मोबाईल नंबर नहीं लगा, सुबह 10 बजे पता चला कि कार डिजायर सीजी 04 पीसी 1378 पचरी बरबसपुर के पास खड़ी है। चालक रमाकांत तिवारी नहीं था। गाड़ी में खून लगा था, जिसकी सूचना थाना अकलतरा को दिया। तब पता चला कि चालक रमाकांत तिवारी का शव थाना सारागांव क्षेत्रांर्तगत ग्राम लखुरी नहर किनारे पड़ा है। चालक रमाकांत के शव का पीएम कराया गया। शार्ट पीएम में मृत्यु का कारण गला दबाकर हत्या होने से धारा 302, 201 अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपियों - की पतासाजी के लिए टीम गठित की गई। तकनीकी के आधार पर आरोपी

राहुल श्रीवास निवासी लटिया, सोम प्रभात उर्फ सोम निवासी तरौद, विवेक पुरी गोस्वामी निवासी तरौद अकलतरा को पकड़ा। पूछताछ करने पर संदेहियों ने बताया कि 13 अप्रैल को राहुल श्रीवास के आधार कार्ड से एक जिओ कम्पनी का सिम खरीदा एवं प्लान किए कि बिलासपुर के ट्रेवल्स से कार बुक कर अमरकंटक की ओर लेकर जाते हैं. और कार को लूटकर बेचकर पैसा कराएंगे। साथ ही चालक को भी निपटा देगे। 9.30 बजे रात को बिलासपुर के कार ट्रेवल्स वाले को मोबाइल फोन किया, उसमें से एक, दो ट्रेवल्स वाले पहले पैसा डालने केमहज एक कार के लिए

इस तरह खेली खूनी खेल

रात करीब 2 बजे गौरेला. पेड़ा रोड के आगे रोड किनारे खाने-पीने के नाम से चालक को गाड़ी रोकने बोला गया। गाड़ी रोकने के बाद विवेक चालक रमाकांत तिवारी के दोनों पैर को पकड़ा। सोम प्रभात हाथ को सीट के पीछे पकड़कर रखा था और राहुल श्रीवास अपने कोहनी से रमाकांत के गला को सामने से जोर से दबा रहा था। चालक घायल हो गया। जिसे कार से निकालकर सड़क किनारे जमीन में ले जाकर सभी हाथ मुक्का, लात से मारपीट किए। राहुल श्रीवास वहीं पर रखे पत्थर से रमाकांत के सीने को मारा। मारपीट करने से चालक की मौत हो गई। फिर शव को कार के पीछे सीट में लिटा दिए। विवेक कार को चला रहा था, बाजू में राहुल श्रीवास बैठा हुआ था और शव के साथ सोम प्रभात साहू बैठा हुआ था। फिर पुराने परचित दोस्त नाबालिग को मोबाईल में शव को छिपाने के लिए गड्?ढा खोदने के लिए बोला और शव को लेकर सुबह करीब 6.30 बजे पंडरीपाली पहुंचे। नागालिक गड्ढा खोद लिया था, लेकिन उजाला होने से शव को छिपाना संभव नहीं हो सका। फिर तीनों लोग बम्हनीडीह-सारागांव के बीच सड़क से कुछ दूर नहर किनारे चालक रमाकांत तिवारी के शव को फेंक दिए और कार को लेकर भाग रहे थे। बाद गाड़ी भेजने बोले, इसलिए उनसे बात नहीं जमी। अपने आप को रंजीत बताकर राहुल श्रीवास के नाम पर खरीदे नया सिम नंबर से बात किया और गाड़ी को कोटमीसोनार लाने को बोला। रात लगभग 10.30 बजे सफेद रंग का स्वीफ्ट डिजायर को चालक रमाकांत तिवारी लेकर आया। जिसमें तीनों लोग कोटमीसोनार से बैठकर अमरकंटक के लिए निकले। रास्ते में हत्या कर लाश को ठिकाने लगाने के लिए कार में शव को लेकर घुमते रहे। आरोपीयों द्वारा जुर्म कबुल करने पर धारा 34, 397 जोड़ी गई। आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

रुक्मणी-कृष्ण विवाह, अद्भुत प्रेम और आदर्श का प्रतीक

चांपा। चांपा के स्व. जीवनलाल साव सामुदायिक भवन में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के छठवें दिन के प्रसंग का विस्तार करते हुए ब्यास पीठ पंडित मनोज पाण्डेय ने बताया कि देवी रुक्मणी एवं भगवान श्रीकृष्ण के मांगलिक विवाह के संबंध में रोचक जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि विदर्भ राज्य के राजा भीष्मक के एक पुत्र रुक्मी एवं एक पुत्री रुक्मणी थी।

राजा भीष्मक अपनी पुत्री से बहुत प्रेम करते थे और उनके विवाह के लिए योग्य वर की तलाश में थे। मगर देवी रुक्मणी के मन में शुरू से ही भगवान श्री कृष्ण की छवि बनी हुई थी। मथुरा के राजा कंस को परास्त करने एवं अन्य बड़े बड़े महारथी को परास्त करने वाले।श्रीकृष्ण की कथा रुक्मणी ने कई लोगों से सुन चुकी थी, इसलिए देवी रुक्मणी ने ठान ली थी कि वह श्री कृष्ण जी से ही विवाह करेंगी। इधर जब जरासंध को इस विषय में पता चला कि रुक्मणी-कृष्ण से प्रेम करती हैं और वह श्रीकृष्ण जी से विवाह करना चाहती हैं। तब जरासंध ने देवी रुक्मणी के भाई रुक्मी के साथ मिलकर रुक्मणी की शादी शिशुपाल के साथ तय कर लिया। मगर विधि को तो कुछ और ही मंजूर था इसलिए यह विवाह कभी ही ना सका। देवी रुक्मणी के पिता भी रुक्मणीजी का विवाह श्री कृष्णजी के साथ करने के लिए सहमत थे, किंतु रुक्मणी के भाई रुक्मी और जरासंध को जैसे ही पता चला कि श्री कृष्ण जी के

साथ रुक्मणी के विवाह के लिए पिताजी राजा भीष्मक तैयार हैं। वह रुष्ट होकर अपने पिताजी एवं बहन रुक्मिणी देवी को कारागार में डाल दिया।

कारागार में ही देवी रुक्मणी ने श्री कृष्ण की सखी एवं बरसाने की रानी राधा को पत्र लिखा और बताया कि उनके भाई रुक्मणी द्वारा उन्हें और उनके पिताजी को बंधक बना लिया है। कृष्ण और रुक्मणी के बीच भयंकर युद्ध हुआ और श्री कृष्ण देवी रुक्मणी का अपहरण कर उन्हें अपने साथ ले गए। जब श्री कृष्ण का रथ गुजरात के छोटे से गांव माधोपुर पहुंचा तो वहां श्री कृष्ण ने देवी रुक्मणी से विवाह कर लिया। विवाह प्रसंग आने पर श्रद्धालु भक्त सखियों के संग झूम उठें। इसके पूर्व बारात निकाली गई। भजनों के बीच कृष्ण और रुक्मणी संग श्रद्धालु भक्तो ने गोल घेरे में सखियों के साथ नृत्य का आनंद लिया।

श्रीराम जन्मोत्सव में कीर्तन के बाद बंटेगा प्रसाद

जांजगीर। प्राचीन श्रीराम मंदिर कुबेर पारा नैला में श्रीराम नवमी के अवसर पर भगवान श्रीराम का अवतार उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक राम भक्त कीर्तन करेंगे। इसके बाद भगवान श्रीराम की आरती कर प्रसाद वितरण होगा। इसके लिए लगभग सभी तैयारियां आयोजकों ने मंगलवार को ही पूरी कर ली थी।

रास्ता बंद करने का आरोप जांच में पहुंची राजस्व टीम

सक्ती। स्टेशनपारा वासियों के मार्ग अवरुद्ध किए जाने को लेकर राजस्व विभाग द्वारा मौका मुआयना किया गया, जिसमें रेलवे के अधिकारी व मोहल्लेवासी उपस्थित थे।

सक्ती स्टेशन के पास रेलवे द्वारा अहाता निर्माण. कराए जाने की खबर से मोहल्ले वासी काफी परेशान हैं। अहाता निर्माण से स्टेशन पारा के लगभग 50 परिवार प्रभावित हो रहें हैं। अहाता बनने से 50 परिवारों का मार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध हो जाएगा। जिसे ज़ लेकर लोगों ने कलेक्टर से शिकायत ज़ की थी, जिसके बाद तहसीलदार द्वारा जांच दल का गठन किया गया था। 13 अप्रैल को मौके पर पहुंच मोहल्ले वासियों के परेशानियों को देखते हुए मौका मुआयना किया गया। जिसमें यह बात सामने आई कि मोहल्ले वासी गत कई दशकों से उक्त भूमि से आवाजाही करते हैं। अगर अहाता निर्माण हुआ तो पूरी तरह से 50 परिवारों के लिए आवाजाही अवरुद्ध हो जाएगा। इस संबंध में दस्तावेज के आधार पर रेलवे जिस जमीन को अपना कह रही है वह शासकीय दस्तावेज के हिसाब से सड़क व धरसा दिख रहा है। ऐसी परिस्थिति में अहाता निर्माण नियम के विरुद्ध है, तहसीलदार द्वारा बनी जांच दल द्वारा पंचनामा बना लिया गया है। अब जांच दल द्वारा दिए गए दस्तावेजों के प्रमाण व मोहल्ले वासियों के लिए गए बयान से जांच अधिकारी की रिपोर्ट के बाद तय होगा कि 50 परिवारों के लिए रास्ता मिलेगा या नहीं।

नरेंद्र मोदी की विशाल जनसभा 23 को ग्राम जेठा में

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आगमन जांजगीर चाम्पा

जांजगीर चाम्पा। लोकसभा के जिला सक्ती के ग्राम जेठा मे हो रहा है जहा वे विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए प्रत्याशी कमलेश जांगड़े के पक्ष मे उपस्थित जनता से आशीर्वाद मांगेंगे प्रधानमंत्री अपने चुनाव प्रचार अभियान और 400 पार के लक्ष्य को लेकर देश की जनता के बीच मे अपनी बात को यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कश्मीर से कन्याकुमारी तक देश के कोने कोने तक जा रहे है उनकी जनसभा को लेकर भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व ने व प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर बड़े

स्तर से तैयारी शुरू कर दी है उनके साथ मे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय प्रदेश अध्यक्ष किरणदेव सिंह उप-मुख्यमंत्री विजय शर्मा प्रभारी ओपी चौधरी सहित प्रदेश व जिला स्तर के सभी नेतागण मौजूद रहेंगे उनके आगमन को लेकर क्षेत्र के आमजन व भाजपा कार्यकर्ताओ मे हर्ष व्याप्त है

बहन के विवाह से पहले भाई की हुई मौत

बाइक पेड़ से टकराई, मौके पर मौत, आने वाली थी बारात

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले एफ सीआई गोदाम के पास सड़क किनारे तेज रफ्तार बाइक सवार पेड़ से टकरा गया। हादसे में युवक के सिर पर गंभीर चोट आने से मौके पर ही मौत हो गई। पूरा मामला अकलतरा थाना क्षेत्र के ग्राम मुरलीडीह का है।

मृतक युवक की पहचान मंथन सोल्डे (18) वर्ष निवासी अकलतरा वार्ड नंबर 16 के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची और शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, मृतक मंथन की बड़ी बहन की शादी समारोह उसके घर पर चल रहा है। हल्दी के बाद वह किसी काम से बाइक से घर से निकला था, जिसकी जानकारी परिवार के किसी अन्य सदस्य को नहीं थी।

सिर पर गंभीर चोटें आई, खून बह गया

बताया जा रहा है कि मुरलीडीह के एफसीआई गोदाम के पास पहुंचा था, तभी बाइक की स्पीड अधिक होने से कंट्रोल नहीं कर सका। सड़क किनारे लगे पेड़ से बाइक टकरा गई। इससे मंथन के सिर पर गंभीर चोटें आई। सिर से अधिक खून बह गया था। साथ ही बाइक के भी परखच्चे उड़ गए हैं।

डॉक्टर ने जांच बाद मृत घोषित कर दिया

रास्ते से आने जाने वाले राहगीरों ने युवक को घायल अवस्था में देखा और डॉयल 112 को फोन कर घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक मंथन के अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टर ने जांच बाद मृत घोषित कर दिया। मृतक मंथन की बड़ी बहन की शादी हो रही थी, जिसके लिए मंगलवार को बारात आनी थी। पूरे परिवार में खुशी का माहौल था। बहन की बारात 8 बजे आने वाली थीं। उससे पहले ही युवक मंथन की मौत हो गई है। शादी वाले घर में खुशी के बजाय मातम का माहौल है। अकलतरा पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मॉर्च्यूरी में रखा गया है। बुधवार यानी आज शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

कन्या भोज कराने में शिक्षकों ने रूची ली

जांजगीर। अष्टमी पर जनपद प्राथमिक शाला कुटरा के शिक्षकों ने स्कूल के छात्राओं के लिए कन्या भोजन का आयोजन किया। शिक्षकों ने छात्राओं के पैर धोकर महावर लगाकर उनकी पूजा की और श्रृंगार के सामान भेंट किए। खीर, पूरी, लड्डू, और फल के प्रसाद भी खिलाया गया। इस अवसर पर प्रधान पाठक प्रभावती राठौर, ज्योति तिवारी, लक्ष्मी प्रसाद देवांगन, रमेश, शांता प्रीति शर्मा, संतोष कुमार जगत, उत्तरा सूर्यवंशी, हरिकृष्ण सोनी, राधेलाल नामदेव उपस्थित थे।

रामनवमीं पर होने वाले कार्यक्रम के लिए तैयारी

जांजगीर। रामनवमी के अवसर पर नगर में शोभायात्रा नैला के भगवान श्रीराम मंदिर से निकाली जाएगी। शोभायात्रा में शामिल लोगों का स्वागत डब्ल्यूबीएम ग्रुप द्वारा किया जाएगा। इसके साथ ही प्रसाद वितरण भी किया जाएगा। मंगलवार को भीमा परिसर में भीमा मा?र्निंग वॉक ग्रुप के सदस्यों की बैठक हुई। इस दौरान बैठक में रामनवमी पर नगर में निकलने वाली भगवान श्रीराम की शोभायात्रा का स्वागत आतिशबाजी के साथ करने का निर्णय लिया गया। नैला रेलवे स्टेशन रोड के पास बीएमडब्ल्यू ग्रुप के सदस्यों द्वारा शोभायात्रा में शामिल लोगों को पूरी, सब्जी, हलवा का प्रसाद वितरण किया जाएगा। बैठक में संतोष भोपालपुरिया, मनोज अग्रवाल, संजय अग्रवाल, गोपाल राठौर, विकास जिंदल, हृषिकेश उपाध्याय, गजानन अग्रवाल, विवेक राठौर, डॉ. एसएल ओग्रे, संजय पालीवाल, विनोद शर्मा, विकास अग्रवाल, अजय मिश्रा, अजय नामदेव, रविंद्र अग्रवाल, उमेश, दामोदर तिवारी, संजय गर्ग, एसके यादव, जोगेंदर राठौर सहित ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे। बैठक के बाद सदस्यों को कार्य की जिम्मेदारी दी गई।

बवाल को लेकर दो पक्षों पर अपराध दर्ज

जांजगीर। ग्राम कोटमी सोनार में 15 अप्रैल की रात दो घरों में शादी के लिए चुल माटी के लिए निकले थे। उसी दौरान दोनों पक्षों का आमना सामना होने पर एक पक्ष के लोग दूसरे पक्ष के लोगों के बीच घुस गए और नाचने लगे। मना करने पर दोनों पक्षों के लोगों के बीच विवाद हो गया और मामला थाना तक पहुंच गया। पुलिस ने दोनों पक्ष की रिपोर्ट पर मामला कायम कर लिया है। अकलतरा पुलिस के अनुसार कोटमी सोनार के छन्नू केंवट के भांजे दीपक की शादी होनी है। 15 अप्रैल की रात को चुल माटी के लिए डीजे बजाते हुए उसके घर के लोग गांव के भाठापारा के शीतला मंदिर के पास पहुंचे। रात करीब 7 बजे दूसरी ओर से पटेल ?परिवार के लोग भी चुल माटी के लिए डीजे लेकर नाचते हुए आ रहे थे। उसी दौरान पटेल पार्टी से अनुप पटेल, यशवंत पटेल, ओम प्रकाश पटेल, ननकी पटेल नाचते नाचते केंवट पक्ष के डीजे के पास आकर नाचने लगे। जिसे छन्नू केंवट ने मना किया तो इससे पटेल पक्ष के लोग नाराज हो गए और गाली गलौज व मारपीट करने लगे। दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध कायम किया है।

रामनवमी पर शोभायात्रा, शाम को होगी महाआरती

चांपा। नगर में रामनवमीं उत्सव मनाया जाएगा। पर्व को लेकर शहर में तैयारी की गई है। बैरियर चौक से लेकर स्टेशन तक लाइटिंग की गई है। बिजली के खंभों पर एलईडी लाइट लगाई गई है। नगर में शाम चार बजे रेल्वे स्टेशन के पास से हनुमान मंदिर से शोभायात्रा निकाली जाएगी। जो बरपाली चौंक मंझली तालाब लायंस चौक कोरवा पारा थाना चौक संजय नगर बैरियर चौंक सुभाष चौंक राधाकृष्ण मंदिर सदर बाज़ार कदम चौक होते हुए चौपाटी के पास भगवान परशुराम चौंक स्थित हनुमान मंदिर में शोभा यात्रा का समापन होगा। पंडितों द्वारा बनारस के गंगा आरती के तर्ज पर हनुमान महाराज की महाआरती की जाएगी। समिति द्वारा खीर प्रशाद बांटे जाएंगे।

रामनवमीं पर भगवान श्रीराम की महाआरती

शिवरीनारायण। नगर में श्रीराम जन्मोत्सव रामनवमीं का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। शबरी पुल के पास स्थापित भगवान श्रीरामचन्द्र की प्रतिमा के पास दीप प्रज्वलन व महाआरती का आयोजन किया गया है। भगवान श्रीराम की प्रतिमा के पास शाम 6.30 बजे दीप जलाए जाएंगे। शाम 7 बजे भगवान की महाआरती की जाएगी। महाआरती के बाद 7.30 बजे भंडारे का आयोजन किया जाएगा। जांजगीर7 हेल्थ साइंस एंड आयुष विवि की ओर से एमबीबीएस सेकंड ईयर की परीक्षा अप्रैल-मई में आयोजित की जाएगी।

एक अरब राम नाम की पूंजी जमा की भक्तों ने बैंक में

शिवरीनारायण। वैसे तो नगर में पैसे जमा करने के लिए कई बैंक है, लेकिन एक बैंक ऐसा भी है जहां पैसे नहीं राम नाम की करंसी जमा होती है। भगवान शिवरीनारायण मंदिर परिसर में अंतरराष्ट्रीय श्री सीताराम नाम बैंक संचालित है। बैंक में सिर्फ 6 सालों में भक्तों ने 1 अरब श्रीसीताराम नाम लिखकर जमा किया है। श्रीमणिरामदास छावनी सेवा ट्रस्ट अयोध्या पुरी के श्री नृत्यगोपालदास जी महाराज ने अयोध्या में बैंक की स्थापना की है।

भगवान शिवरीनारायण मंदिर परिसर में 2018 में श्रीसीताराम नाम बैंक की स्थापना की थी। भगवान शिवरीनारायण मठ मंदिर के सर्वराकार राजेश्री महंत डॉ. रामसुन्दर दास जी महाराज ने श्रीसीताराम नाम बैंक खोलने भगवान शिवरीनारायण मंदिर परिसर में एक कमरा उपलब्ध कराया है। श्री सीताराम बैंक के शाखा प्रबंधक पुरुषोत्तम सोनी ने बताया 1965 से वो श्रीसीताराम नाम लिख रहे हैं। उन्होंने बताया 1965 में चांपा में संचालित श्रीसीताराम बैंक के प्रचारक शिवराम प्रसाद सोनी कॉपी लेकर शिवरीनारायण आते थे और यहां से श्रीसीताराम नाम लिखी हुई कॉपी लेकर चांपा के बैंक में जमा करते थे। पुरुषोत्तम सोनी उन्हीं के पास से श्रीसीताराम नाम लिखकर कॉपी जमा करते थे। नृत्य गोपाल दास जी महाराज ने उन्हें शिवरीनारायण में श्रीराम नाम बैंक की शाखा खोलने प्रेरणा दी। 28 जनवरी 2018 को भगवान शिवरीनारायण मंदिर परिसर में श्रीसीताराम नाम बैंक की शाखा क्रमांक 128 का शुभारंभ भगवान शिवरीनारायण मठ मंदिर के सर्वराकार राजेश्री महन्त डॉ रामसुन्दर दास जी महाराज व श्रीसीताराम राम बैंक अयोध्यापुरी के सहायक बैंक

मैनेजर कन्हैया दास जी महाराज ने किया। श्रीसीताराम नाम बैंक के शाखा प्रबंधक पुरुषोत्तम सोनी, संरक्षक प्रतिनिधि त्यागी जी महाराज व कोषाध्यक्ष योगेश शर्मा हैं।

727 भक्तों ने 99 करोड़ 86 लाख नाम लेखन जप किया सोनी ने बताया अब तक वे 1 करोड़ 21 लाख 18 हजार श्रीसीताराम नाम लिख चुके हैं। नगर के श्रीसीताराम नाम बैंक में 727 भक्तों ने 99 करोड़ 86 लाख 36 हजार 383 श्रीसीताराम नाम लेखन जप किया है। श्रीसीताराम नाम बैंक में शिवरीनारायण नगर सहित जांजगीर चांपा, कोरबा, बिलासपुर, रायगढ़, बलौदाबाजार सहित विभिन्न गांव के भक्तों का खाता है। जो श्रीसीताराम नाम लेखन कर बैंक में अपनी कॉपी जमा करते हैं। उनके पास बुक बनाए गए हैं जिसमें श्रीसीताराम नाम की लेखन संख्या अंकित की जाती है। 25 लाख नाम जप लेखन के बाद भक्तों को प्रणाम पत्र से सम्मानित करते हैं।

हादसे की आशंका बनी हुई है खुले हुए ट्रांसफार्मर से

बाराद्वार। नगर के मॉडल रोड में राजीव चौक के पास लगे ट्रांसफार्मर पैनल में कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है। सड़क से ट्रांसफार्मर के पैनल की ऊंचाई बहुत कम होने के कारण वहां हादसे की आशंका बनी रहती है। सड़क निर्माण के साथ फुटपाथ निर्माण होने के कारण जमीन से ट्रांसफार्मर पैनल बोर्ड की ऊंचाई कम हो गई है एवं पैनल हमेशा खुला भी रहता है। ट्रांसफार्मर जिस स्थान पर लगा है वह व्यस्ततम रोड व आसपास में घनी आबादी है। मोहल्लेवासियों ने बिजली विभाग के अधिकारियों से अविलंब ट्रांसफार्मर पैनल की ऊंचाई बढ़ाने या ट्रांसफार्मर को अन्यत्र शिफ्ट करने की मांग की है।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे नाम पर पासपोर्ट क्रमांक **E9249938** जारी हुआ है, जिसका वैधता दिनांक 02.08.2004 से 01.08.2014 तक रही है। मेरे उक्त पासपोर्ट में मेरे पिता के नाम का स्पेलिंग त्रुटिवश **DURGASHAKER TIWARI** दर्ज है, जिसे सुधार कर **DURGASHANKER TIWARI** दर्ज कराना चाही हूं जो कि मरे समस्त शैक्षणिक दस्तावेजों में दर्ज है।

सो सूचना जाने।

श्रीमती सुधा दुबे
पति- श्री विष्णु दुबे
पता - ए 203
वैभव होम्स, शारदा विहार कोरबा, तहसील व जिला कोरबा (छ.ग.)

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे नाम पर पासपोर्ट क्रमांक **R863396** जारी हुआ था, जिसकी वैधता दिनांक 05.04.1982 से 04.04.1987 तक रही है। मेरे उक्त पासपोर्ट में मेरा नाम विष्णु कुमार दुबे आत्मज श्री कोदुलाल दुबे है। नवीन पासपोर्ट में मैं अपना नाम विष्णु दुबे आत्मज श्री कोदुलाल दुबे दर्ज कराना चाहता हूं। जो कि मेरे पेन कार्ड, मतदान परिचय पत्र एवं आधार कार्ड में दर्ज है। मुझे आज से विष्णु दुबे के नाम से जाना जाए। विष्णु कुमार दुबे एवं विष्णु दुबे दोनों एक ही व्यक्ति है।

सो सूचना जाने।

विष्णु दुबे
ए 203, वैभव होम्स, शारदा विहार कोरबा (छ.ग.)

समक्ष-श्रीमान् नोटरी पब्लिक कोरबा, तह. व जिला कोरबा (छग.)

शपथ पत्र

मैं राम निवास अग्रवाल **(RAM NIWAS AGRAWAL),** उम्र 65 वर्ष, पिता बंशी धर अग्रवाल **(BANSIDHAR AGRAWAL),** निवासी-म.नं.372/373 साडा गर्ल्स स्कूल टी.पी.नगर कोरबा, तहसील कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.) का हूं, जो कि निम्न कथन शपथपूर्वक करता हूं :-

यह कि मैं उक्त वर्णित पते पर निवासरत हूं तथा मेरा आधार क्रमांक 909482251200 है। मेरे नाम पर जारी आधार कार्ड में मेरा नाम रामनिवास अग्रवाल **(RAMNIWAS AGRAWAL)** पिता बंशी धर अग्रवाल **(BANSI DHARA-GRAWAL)** एवं मेरे पेन कार्ड में मेरा नाम राम निवास अग्रवाल **(RAM NIWAS AGRAWAL)** है। एवं पासपोर्ट में मेरा नाम राम निवास अग्रवाल **(RAMNIWAS AGRAWAL)** यह कि राम निवास अग्रवाल **(RAM NIVAS AGRAWAL)** पिता बंशी धर अग्रवाल **(BANSI DHARAGRAWAL)** हैं। तीनों एक ही व्यक्ति का नाम है अर्थात् स्वयं हैं। इस संबंध में किसी प्रकार की दावा आपत्ति होने पर स्वयं जिम्मेदार होंगे। यह अपने नाम के पासपोर्ट में नाम राम निवास अग्रवाल **(RAM NIVAS AGRAWAL)** को सुधारकर सही नाम राम निवास अग्रवाल **(RAMNIWAS AGRAWAL)** किया जाए। उक्त शपथ पत्र पासपोर्ट को सुधार एवं नवनीकरण हेतु पासपोर्ट कार्यालय में प्रस्तुत करना है।

सील — **राम निवास अग्रवाल**
शपथकर्ता

न्यायालय तहसीलदार पटना जिला-कोरिया (छ.ग.)

रा.प्र.क्र......../अ-121/2023-24

// ईश्तहार//

एतद द्वारा समस्त ग्रामीण जनता ग्राम महोरा को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका अयुब खान आ./पति नबिदाद खान जाति .... निवासी ग्राम महोरा थाना पटना तहसील पटना जिला कोरिया के द्वारा आवेदन पत्र पेश कर निवेदन किया है कि मेरे पुत्र/पुत्री रेहाउल खान के लिये आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के संबंधी (**EWS** प्रमाण पत्र) आय प्रमाण पत्र प्रदाय किया जाए। आवेदन पत्र के साथ आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, शपथ पत्र, अंकसूची, बी-1 की छायाप्रति संलग्न किया है। अतः जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को उक्त प्रमाण पत्र जारी करने से कोई आपत्ति हो तो वह अपना आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 02.05.2024 तक उपस्थित होकर आपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तदानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 16.4.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
सील — **पटना, जिला कोरिया (छ.ग.)**

अनमोल वचन

एक सपने के टूटकर चकनाचूर हो जाने के बाद दूसरा सपना देखने के हौसले को ही जिंदगी कहते हैं।

आतंकवाद के प्रति सटीक और तत्काल निर्णय जरूरी

भारत सीमापार से होने वाले किसी भी आतंकवादी कृत्य का जवाब देने के लिए प्रतिबद्ध है। विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने यह प्रतिबद्धता दोहराई है। विदेश मंत्री शुक्रवार को 'यह भारत क्यों मायने रखता है: युवाओं के लिए अवसर और वैश्विक परिदृश्य में भागीदारी' विषय पर बोल रहे थे। 2008 में हुए मुंबई हमलों का जवाब देने को लेकर संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन यानी संप्रग सरकार पर निशाना साधने हुए उन्होंने कहा कि काफी चर्चा के बावजूद कोई सार्थक परिणाम नहीं निकला। उन्होंने माना पाकिस्तान पर हमला करने की कीमत उस पर हमला न करने से अधिक होगी। 2014 में आतंकवाद की शुरुआत नहीं हुई, यह मुंबई हमले के साथ नहीं हुई, बल्कि यह 1947 में हो चुकी थी। उन्होंने कश्मीर हमले को आतंकवादी कृत्य माना। शिवशंकर ने कहा कि वे गांव और शहर जला रहे थे, लोगों की नृशंस हत्या कर रहे थे। 2014 के बाद भारत की विदेश नीति में आए बदलावों को लेकर उन्होंने स्पष्ट किया कि जिस देश से संबंध बनाए रखना मुश्किल है, वह है पाकिस्तान है। पाकिस्तान समेत अन्य देशों में मारे गए आतंकवादियों के पीछे भारत का हाथ होने वाली ब्रिटिश अखबार 'गार्जियन' में छपी खबरों का भी उन्होंने तीव्र प्रतिकार करते हुए इन खबरों का तीव्र खंडन किया। ऐसा पहली बार नहीं है, जब विदेश मंत्री जयशंकर ने अपनी बात सख्ती से दोटूक अंदाज में रखी। विश्व पटल पर भारत की छवि मोदी सरकार ने लगातार बदली है। यह कहना कि आतंकवादी किसी नियम से नहीं चलते, उन्हें जवाब भी वैसे ही मुंहतोड़ तरीके से दिया जाना चाहिए। राष्ट्रीय हितों का पालन करते हुए भारत दुनिया के तमाम देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखने तथा मानवाधिकारों का सम्मान और बहुपक्षवाद पर केंद्रित रहता है। आज भारत के लिए हालात इतने साजगार हो चुके हैं कि तमाम चुनौतियों के बावजूद वैश्विक अगुवा बने रहने और दुनिया को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर अपनी स्पष्ट राय रखने में भारत हिचकता नहीं। निःसंदेह हम उभरती हुई अर्थव्यवस्था हैं, इसलिए विदेशी निवेश, संयुक्त उद्यम और निर्यात के क्षेत्र में भारत की अर्थव्यवस्था प्रदर्शन बेहतर नजर आ रहा है। ऐसे में सीमापार से होने वाले आतंकवादी उपद्रव को लेकर यदि कड़ाई नहीं बरती जाती है तो न केवल भारत की छवि धूमिल होती है, बल्कि आतंकवाद के प्रति सटीक और तत्काल निर्णय न लेने के कारण देश की अखंडता और शांति भी खंडित होती है जिसे बनाए रखना सरकार की महती जिम्मेदारी है।

राशिफल

मेष राशि: आज का दिन आपके जीवन में खुशियां लेकर आया है। आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। सरकारी कार्यों में आपको बड़े लाभ की संभावना है। आज आप परिवार के साथ पिकनिक के लिए जा सकते हैं। उनके साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। ऑफिस में आप किसी प्रोजेक्ट के लिए अपनी बेहतरीन राय देंगे, बॉस आपके काम की तारीफ करेंगे।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरा रहने वाला है। आपकी पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान मिलेगा, जिससे आपके मन में खुशी रहेगी। परिवार में धार्मिक काम की योजना बन सकती है। आप अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे। आपके व्यवहार में कुछ अच्छे बदलाव आने से आपके कुछ नए दोस्त बन सकते हैं।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढाई में और मेहनत करने की जरूरत है। आज घर के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। छात्र अपनी पढ़ाई को लेकर पूर्ण रूप से सतर्क रहेंगे।

कर्क राशि : आज महा अष्टमी के दिन आपके सभी कार्य सफल होंगे। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रो के लिए दिन अच्छा है। बेटी के ससुराल पक्ष से कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी। बच्चे आज अपने पढ़ाई के प्रति सीरियस रहेंगे।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। राजनीति व सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन फेवरेबल रहेगा। महिलाओं के लिए दिन शानदार रहेगा। बिजनेस मैन आज कोई जरुरी मीटिंग अटेंड कर सकते हैं। आज किसी से लिए उधार से छुटकारा मिलेगा, आपकी टेंशन ख़त्म होंगी। आज आप किसी अच्छी जगह घूमने जा सकते। आपको मातापिता का पूरा सहयोग मिलेगा।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। एकाग्र मन से किया गया काम लाभदायक साबित होगा। आज किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से आपको बचना चाहिए। आज आपकी सेहत ठीक-ठाक रहेगी। आप कम से कम समय में काम निपटाने की कोशिश करेंगे। आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभायेंगे।

तुला राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप अपने व्यापार को आगें बढाने के लिए कुछ ऐसी भी योजनाएं बनाएंगे, जिससे आपको फायदा ही फायदा होगा। परिवारिक समस्याओं को सॉल्व करने में बड़े-बुजुर्गों का सहयोग प्राप्त होगा। कॉस्मेटिक का व्यापार कर रहे लोगो को आज बड़ा मुनाफा होगा। आज आपके कार्यों की प्रशंसा दूर-दूर तक लोगों में इत्र की तरह महकेगी।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। माता महागौरी की कृपा से आपका जीवन खुशियों से भरा रहेगा। जो लोग बैंक में कार्य करते हैं वह आज अपना काम बहुत जल्द निपटा लेंगें। पिता से आज आपको कुछ नया सिखने को मिलेगा। आज कोई ऐसी पुरानी चीज आपके हाथ लग सकती है, जिसे पा कर आपको खुशी महसूस होगी। आज दोस्तों के साथ फोन पर बात कर के समय बिताएंगे। आज के दिन महागौरी के आगे घी का दीपक जलाएं, आपका दिन बेहतरीन रहेगा।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। घर खरीदने का विचार कर रहे लोगों के लिए आज का दिन शुभ है। आज आपका मन घरेलू काम-काज में लगेगा। आज बॉस आपको किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करने को कह सकते हैं। डिप्लोमा की तैयारी कर रहे छात्रों को आज ज्यादा पढ़ाई करने की जरूरत है। व्यापार कर रहे लोगों का कारोबार अच्छा चलेगा। किसी स्वास्थ्य संबंधी समस्या से छुटकारा पाने के लिएअच्छे डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं, आपको बढ़िया समाधान मिलेगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए नयी खुशियां लेकर आया है। आपके दोस्त आपसे मदद की गुहार करेंगे, आप उन्हें निराश नहीं करेंगे। बिजनेस कर रहे लोगों को अच्छा मुनाफा होगा। आज आप शॉपिंग करने का मन बनाएंगे। आज आप अपनी बहन को कुछ गिफ्ट दे सकते हैं जिससे आपका रिश्ता मजबूत बनेगा। आज आप किसी जरुरी मीटिंग में शामिल होंगे।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। परिवार के साथ बाहर मूवी का प्लान बन सकता है। दोस्तों की बर्थडे पार्टी मे जाएंगे, जहां बाकी दोस्तों के साथ इंज्वाय करने का मौका मिलेगा। आज कोई नई स्किल सीखने का विचार कर सकते है जिसका लाभ आपको भविष्य में जरूर मिलेगा। आज आप नया वाहन खरीदने का मन बना सकते हैं। माता आज अपने बच्चों को कुछ मीठा बना के खिला सकते हैं।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए ख़ास रहने वाला है। रुपए पैसों के मामले में लापरवाही करने से आपको बचना चाहिए। टूर एंड ट्रेवल्स का काम कर रहे लोगों को अच्छा लाभ होगा। आज अपको किसी करीबी से कोई ऐसी सलाह मिलेगी, जिससे आपको काफी फायदा होगा।

इस गंभीर मसले से सही तरीके से निपटना जरूरी

//भगवती प्र. डोभाल//

हाल ही में नाबालिग बच्चियों और एक महिला को पुलिस ने मानव तस्करों के गैंग से मुक्त कराया। घटना उत्तरी पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर की है। दक्षिणी परगना (पश्चिमी बंगाल) की 14 वर्षीय नाबालिग लड़की के लापता होने की प. बंगाल पुलिस तहकीकात कर रही थी, तब उन्हें सूचना मिली कि लड़की दिल्ली में है। उन्होंने दिल्ली पुलिस से सहायता मांगी। जांच में पता चला कि नाबालिग शाहदरा या उत्तर पूर्व दिल्ली में है। छानबीन में पता चला कि मंजली बीवी और उसका पति हसन इस तस्कर गिरोह के सरगना हैं।

इससे पूर्व सीबीआई ने तीन ऐसे नवजात शिशुओं को तस्करों से दिल्ली में मुक्त कराया जो पैदा ही हुए थे और उन्हें बेचने वाले सामने आए। इनमें से दो बच्चे डेढ़ दिन, तीसरा 15 दिन का था और लड़की एक महीने की थी। इसमें सीबीआई ने उत्तर प्रदेश के गोरखपुर और पंजाब में छापे मारे। इन तहकीकात से पता चला कि अस्पतालों के कर्मचारी, बिचौलियों और तस्करों का जाल बिछा हुआ है। तस्करों के इन सरगनाओं की भी गिरफ्तारी हुई, जिसमें पुलिस को पता चला कि नीरज सोनीपत हरियाणा और इंदु पवार दिल्ली के पश्चिम विहार के रहने वाले हैं। उनका एक गिरफ्तार साथी असलम पटेल नगर का है। सीबीआई के सूत्रों के अनुसार मालवीय नगर की अंजली, जो खरीदार की जानकारी देती थी, को भी गिरफ्तार किया गया। तीन और महिलाओं पूजा कश्यप, ऋतु और कविता को भी गिरफ्तार किया गया। इन महिलाओं का काम होता था कि खरीदे हुए बच्चों का तब तक रख-रखाव करना, जब तक बच्चों के खरीदार न मिल जाएं। बच्चों के व्यापार में ऐसे भी लोग पाए गए, जिनकी संतान नहीं है, वे गोद लेने के लिए प्रयास करते हैं। सीबीआई के अनुसार छापेमारी में पता चला कि एक बच्चे की कीमत पांच लाख रुपये तक दी गई। सीबीआई ने उत्तर पश्चिम दिल्ली केशवपुरम से दो बच्चों को छुड़ाया। मानव तस्करों के पास सभी फर्जी कागजात को तैयार करने के तरीके थे। वे गोद लेने के पेपर भी फर्जी बनाते थे। सीबीआई ने उन माता-पिताओं को भी ढूंढा है, जिनके बच्चे चोरी हुए थे, फिर चोरी किए बच्चों को असली माता-पिताओं के हवाले कर दिया। सीबीआई देश के कृत्रिम गर्भाधान केंद्रों पर भी नजर रखे हुई थी, इस अभियान में जयपुर में भी रेड डाली गई थी, वहां पर आरती नाम की महिला पैदा हुए बच्चों के व्यापार में संलग्न थी, एक दिन का बच्चा भी उसके पास था। यह बच्चों के व्यापारी पहले नवजात शिशुओं को इकट्ठा करते थे, उसके बाद जरूरतबंद लोगों को खोजते थे। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार हर वर्ष 40 हजार बच्चों का अपहरण किया जाता है, जिनमें 11 हजार का कोई पता नहीं चल पाता। बाल तस्करी के पीछे कुछ मूल कारण हैं-गरीबी, शिक्षा की कमी और अपने परिवार को आर्थिक रूप से मदद करने की जरूरत। दूसरी ओर सरकार तस्करी के उन्मूलन के लिए न्यूनतम मानकों को पूरा नहीं करती, केवल प्रयासभर ही चल रहे हैं। देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों पर केंद्र सरकार की नीतिगत निगरानी के साथ, तस्करी विरोधी प्रयासों की प्राथमिक जिम्मेदारी थी। इन प्रयासों में मानव तस्करी के अधिक मामलों की जांच करना, कई तस्करी मामलों पर विदेशी सरकारों के साथ सहयोग करना और बंधुआ मजदूरी के लिए अधिक तस्करों को दोषी ठहराना शामिल था। राष्ट्रीय महिला आयोग ने मानव तस्करी विरोधी इकाइयों की क्षमता बनाने के लिए एक नई तस्करी विरोधी इकाई शुरू की। सरकार ने तस्करी सहित अपराध के शिकार बच्चों के लिए सुरक्षा सेवाओं के राज्य और क्षेत्र विस्तार का समर्थन करने के लिए एक नये कार्यक्रम को मंजूरी दी जो सही ढंग से कार्य नहीं कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार दर्ज किए गए मामालों की संख्या के आधार पर सबसे अधिक मानव तस्करी की घटनाओं वाले शीर्ष तीन राज्य पश्चिम बंगाल, राजस्थान और गुजरात हैं। अपराध दर के आधार पर सबसे अधिक मानव तस्करी की घटनाओं वाले राज्यों में प. बंगाल सबसे आगे है। ध्यान देने की आवश्यकता है कि हमारी सरकारी एजेंसिया कितनी तेजी से अपराधों को पकड़ने में सहायक होती हैं। सामाजिक सुरक्षा एक प्रमुख मुद्दा है। किसी देश की पहचान इसी के आधार पर आंकी जाती है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों का दायिव है कि इस गंभीर मसले से सही तरीके से निपटें, क्योंकि बगैर इसके हम बहुत सारे नौनिहालों को बलि की बेदी पर बिठा रहे हैं।

अंग्रेजी से फैलेगा दुनिया में भारत का तत्वज्ञान

// डॉ. यतीश अग्रवाल//

बहुत छोटा था जब पुस्तकें मेरी दोस्त बन गई थीं। नाना, दादा, पिताजी अक्सर मेरे लिए छोटी-छोटी कहानियों की किताबें लेकर आते। मैं उन्हें बहुत चाव से पढ़ता। किसी में जंगल के जानवरों की, तो किसी में लोक-जीवन से जुड़ी सुंदर कथाएं होतीं। सभी में कुछ न कुछ संदेश होता। किसी में दोस्ती की ताकत का, किसी में सच की जीत का, किसी में घमंड, बेईमानी, बुराई और दुष्टता की हार का, तो किसी में प्रेम, आस्था, समर्पण, परोपकार, त्याग, तप, साधना और विवेक जैसे खुशनुमा स्वरों का संगीत लहराता। उनमें ऐसे सुंदर नैतिक गुण छुपे होते, जिन्हें हर कोई जीवन में गूंथ ले तो चारों ओर सुख ही सुख के सूरज खिल उठते।

थोड़ा बड़ा हुआ, तो इन किताबों के अगल-बगल विश्व साहित्य की चुनिंदा कृतियों ने भी अपना स्थान बना लिया। रोज देर रात तक पढ़ता और उनमें खिंचीं दुनिया की रंग-बिरंगी तस्वीरों से रोमांचित होता। यह नशा ही कुछ अलग सा था। सागर में कोई जितना गहरा उतरता है, सागर का सौंदर्य उतना ही मनोरम, उतना ही अनुपम होता जाता है। बहुत जल्द मैं पिता के पुस्तक-संग्रह से पुस्तकें लेकर उनके भीतर डुबकी भरने लगा।

पिता इंजिनियर थे, पर उन्हें अध्यात्म, जीवन दर्शन, नैतिकता, धर्म और तत्वज्ञान जैसे गूढ़ विषयों में गहरी दिलचस्पी थी। वेद, पुराण, उपनिषद्, श्रीमदभगवदगीता, विवेकानंद और अरविंद साहित्य, बौद्ध धर्म, जैन धर्म से जुड़ी अनेक रचनाएं उनकी लाइब्रेरी में थीं। मैं उन्हें उठाता और अपने कमरे में ले आता। रात के खाने के बाद उनमें देर तक डूबा रहता। कुछ समझ में आता, कुछ नहीं। जो समझ न आता, उसे फिर से पढ़ता। जो समझ में आता, उसे भी दोबारा पढ़ता। हर बार कुछ नया मिलता।

मैथिलीशरण गुप्त ने अपनी काव्य रचना भारत भारती में कहा है-

'जिनकी महत्ता का न कोई पा सका है भेद ही
संसार में प्राचीन सबसे है हमारा वेद ही।'

सच कहूं तो ये अजर-अमर कृतियां ज्ञान का सूरज हैं। जीवन यात्रा में सत्-असत की पहचान, कर्तव्य और अधिकार का बोध, ज्ञान-विज्ञान का आलोक, आत्म साधना और जीवन को सुंदर बनाने का आध्यात्मिक प्रकाश उनमें ये सभी गुण अंतर्निहित हैं। बृहदारण्यक उपनिषद् हमें 'असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय' के ज्ञान-मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। 'सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः, सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चित् दुःखभाग भवेत' की सहस्रों साल पुरानी सर्वमंगलकारी सोच 1978 की विश्व समुदाय की 'हेल्थ फॉर ऑल' आल्मा आटा घोषणा से कहीं अधिक सुंदर और गहरी है।कार्यों और कारणों के संबंध को बताने वाला सच्चा ज्ञान, पूर्वजों और मनीषियों के मन की समाधि की सच्ची पूंजी, अज्ञेय से ज्ञेय की यात्रा जैसे अनन्य आत्म-तत्व इन आादि ग्रंथों में सुरक्षित हैं। हम इन तत्वों को ग्रहण करें, आत्मसात करें और उन पर आचरण करें, उनकी सार्थकता इसी में निहित है। उनका सच्चा लक्ष्य प्राण अमृत तत्व का साक्षात्कार है, न कि बौद्धिक कुतूहल जागृत करना। यह ज्ञान जन-जन के लिए साफ-सुथरी, सरल भाषा और सरल अभिव्यक्ति में उपलब्ध हो, तभी हर कोई उससे लाभ पा सकता है। मेंडारिन (चीनी) के बाद दुनिया में सबसे अधिक बोली, समझी, पढ़ी जाने वाली अंग्रेजी में भी यह आध्यात्मिक साहित्य उपलब्ध हो तो कितना अच्छा होगा। ऐसा नहीं कि यह साहित्य पहले अंग्रेजी में अनूदित नहीं हुआ, लेकिन जो हुआ है वह प्रायः आम बोलचाल की भाषा में नहीं, बल्कि अधिकांशतः विद्वतापूर्ण कृतियों के रूप में हुआ है। आवश्यकता उसे सरल रोचक ढंग से जीती-जागती तस्वीरों के साथ प्रस्तुत करने की है, जिससे अधिक से अधिक लोग उसका रस ले सकें, उसे आत्मसात् कर सकें और यह दुनिया सुंदर बन सके। जीवन का संपूर्ण सौंदर्य तभी खिलता है, जब हम उच्च कोटि का जीवन जीने की कला सीख लेते हैं।

पैसों की हवस के आगे इंसान...

//ऋतुपर्ण दवे//

पैसों की हवस के आगे इंसान इतना गिर जाए कि जिंदा इंसानों के शरीर के अंग बेचने लग जाए? भला कौन विस करेगा कि यह भी अब उन कुछ वहशियों का कारोबारी हिस्सा है, जो बाकयदा गैंग बनाकर, सुनियोजित तरीके से लगे हुए हैं।हैरानी तब ज्यादा होती है जब इसमें देवालय सदृश्य अस्पतालों के बड़े-बड़े रुतबेदार और ओहदेदार भी हिस्सेदार होते हैं। इस अवैध धंधे ने बहुत गहरी जड़ें कम समय में ऐसी जमा ली हैं कि धंधेबाज सरकार और प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गए हैं।भारत में भी सीमा पार तक से गुपचुप तरीके से स्वस्थ लोगों के अंगों को खरीदने-बेचने का सिलसिला तेजी से पनप रहा है। इत्तेफाक से कोई मामला सामने आता है तो उसकी जड़ों तक पहुंचता जांच दल हक्का-बक्का रह जाता है। कैसे, कितनी सफाई से आंखों में धूल झोंक, इतना बड़ा कांड होता रहा और भनक तक नहीं लगी? बीते हफ्ते बांग्लादेश से बुलाकर जयपुर में अवैध तरीके से किडनी ट्रांसप्लांट करवाने वाले गिरोह का गुरु ग्राम में भांडाफोड़ हुआ। छापेमारी में किडनी ट्रांसप्लांट करा चुके और कराने वाले डोनर, मरीज सहित 4 लोग हत्थे चढ़े।इनसे खुलासा हुआ कि मरीजों से 10-12 लाख रु पये वसूले जाते, जबकि डोनर को महज दो लाख बांग्लादेशी टका पकड़ाते। पकड़ाए बांग्लादेशी किडनी डोनर शमीम ने हैरान कर देने वाली जानकारी दी। उसने फेसबुक पर किडनी डोनेट करने का विज्ञापन देखकर भारत में मुर्तजा से संपर्क साधा। उसके कई मेडिकल टेस्ट हुए। उसे कोलकाता के मेडिकल वीजा पर गुरु ग्राम में रु कवाया गया। आधार और दूसरे कई फर्जी कागज बने। पता चला कि गुरु ग्राम का बड़ा अस्पताल देख इनके जाल में लोग फंस जाते। बाद में इसी अस्पताल की जयपुर ब्रांच में ट्रांसप्लांटेशन का खेल होता। मुर्तजा झारखंड का है। लंबे समय से इस धंधे में लिप्त है।फरवरी, 2019 में कानपुर पुलिस ने एक बड़े किडनी-लीवर बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया। गिरोह गरीब को फंसाता और दिल्ली में किडनी बिकवाता। छह लोगों गिरफ्तार हुए जिनके तार न केवल कानपुर से दिल्ली, नोएडा, बल्कि विदेशों से भी जुड़े निकले। गिरोह किडनी बेचने वाले मजबूर को 3-5 लाख रुपये बमुश्किल देता वहीं जरूरतमंद से 30 लाख रु पये से भी ज्यादा वसूलता। जांच में खुलासा हुआ कि गैंग का सरगना टीआरके राव 2016 में अपोलो हॉस्पिटल किडनी कांड में जेल जा चुका है। विडंबना कहें या कानून से बेखौफ निर्लज्जता जेल से बाहर आते ही फिर इसी गोरखधंधे में लग गया। एक दूसरा आरोपी सबूर 2015 में जालंधर किडनी कांड में जेल जा चुका है। निश्चित रूप से ऐसी घृणित साजिश और कारोबार के पीछे चंद सफेदपोश मेडिकल प्रोफेसनल और उनका गिरोह होता है। ये इस पवित्र पेशे में आते वक्त हिप्पोक्रेटिक शपथ लेकर अपने चिकित्सकीय पेशे अनुरूप सेवा, कार्य और न्याय की शपथ लेते हैं। लेकिन अवैध कमाई के लालच में सब कुछ भूल, दैत्य और नरपिशाच सा काम करने लगते हैं।

चीन का अड़ियल रवैया और पीएम की सीमा विवाद सुलझाने की पहल

चीन गाहे-बगाहे भारत की भूमि पर अपना अधिकार जमाने की बात करता ही है। हाल ही में उसने अरुणाचल प्रदेश को लेकर अपना अड़ियल स्टैंड दिखाया था। वहीं भारत ने परिपक्वता दिखाते हुए सीमा विवाद सुलझाने की पहल की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन के साथ सीमा विवाद को हल करने की जरूरत बताई है, जो कि बिल्कुल सही रुख है। दोनों देश पड़ोसी होने के साथ ही दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएं और ग्रोथ इंजन हैं। इसलिए किसी भी तरह के टकराव से दोनों का ही नुकसान है। ऐसे में पीएम मोदी का यह कहना सही है कि पूरे क्षेत्र और दुनिया के लिए भारत-चीन के बीच स्थिर और शांतिपूर्ण संबंध अहम हैं।भारत का यह स्टैंड ऐसे समय सामने आया है, जब चीन ने अरुणाचल प्रदेश को लेकर एक बार फिर से अड़ियल रवैया अपनाया है। वह पहले भी अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सीमा में कई जगहों के नाम बदल चुका है। चीन इस इलाके पर अपना दावा ठोकता रहा है और इस राज्य को जंगनान बुलाता है।

भारत में इस समय लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार चल रहा है। ऐसे में विपक्ष भी चीन के साथ विवाद का मुद्दा उठा रहा है। विपक्ष का आरोप है कि चीन ने 2020 में हमारे हिस्से की जमीन पर कब्जा कर लिया, जबकि सरकार इसे बेबुनियाद आरोप बताती रही है।भारत की पहल के बाद अब गेंद चीन के पाले में है। उसकी तरफ से कोई सकारात्मक कदम उठता दिखना चाहिए। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में चीन का रुख ऐसा नहीं रहा है, जिससे कोई आस बंधे। दोनों मुल्कों के मौजूदा संबंधों की बात करें, तो 2017 में डोकलाम विवाद के बाद से सीमा पर माहौल कभी सामान्य नहीं हो पाया। बल्कि, 2020 में गलवान में हुई झड़प ने स्थिति और बिगाड़ी ही है। भारत का स्पष्ट कहना है कि चीन पहले अपनी सेनाओं को पीछे करे, उसके बाद ही रिश्ते आगे बढ़ेंगे।अब सवाल है कि भारत को लेकर चीन इतना आक्रामक क्यों है? बाकी पड़ोसियों के साथ तो उसने सीमा विवाद सुलझा लिया या फिर सुलझाने के करीब है, लेकिन भारत के साथ वह इस विवाद को हाल के वर्षों में और हवा दे रहा है। दरअसल, इसे चीन की विदेश नीति का हिस्सा कह सकते हैं। चीन के बाकी पड़ोसी उसके मुकाबले दुनिया में खड़े होने की हैसियत फिलहाल नहीं रखते, जबकि भारत तेजी से तरक्की कर रहा है। दुनिया भी मान रही है कि चीन का अगर कोई विकल्प हो सकता है, तो भारत ही। ऐसे में चीन सीमा विवाद को जिंदा रखकर हिंदुस्तान पर दबाव बनाए रखना चाहता है।

तस्वीरों की दुनिया

केंद्रीय मंत्री और भाजपा उम्मीदवार नितिन गडकरी नागपुर में लोकसभा चुनाव के लिए नागपुर संकल्प पत्र जारी करने के दौरान।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू में लोकसभा चुनाव से पहले एक सार्वजनिक बैठक के दौरान समर्थकों का अभिवादन करते हुए।

रामनाथपुरम में लोकसभा चुनाव से पहले चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा।

लोकसभा चुनाव से पहले मंडी में चुनाव प्रचार के दौरान अभिनेत्री और भाजपा उम्मीदवार कंगना रनौत।

गुवाहाटी में लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने से पहले एक चुनावी रैली के दौरान अखिल भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा के साथ कांग्रेस उम्मीदवार मीरा बोरठाकुर।

शिवपुरी में अपना नामांकन पत्र भरने से पहले एक रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के साथ भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार ज्योतिरादित्य सिंधिया।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में सुरक्षाबलों की बड़ी कार्रवाई, 29 नक्सलियों को मार गिराया

कांकेर, 17 अप्रैल [एजेंसी]।

जिले के छोटेबेठिया थाना क्षेत्र में मंगलवार को बीएसएफ और डीआरजी ने संयुक्त कार्रवाई में 29 नक्सलियों को मार गिराया। बस्तर लोकसभा क्षेत्र में मतदान से तीन दिन पूर्व बिनागुंडा एवं कोरोनार के बीच हापाटोला जंगल में दोपहर डेढ़ से साढ़े चार बजे तक हुई कार्रवाई में मारे गए नक्सलियों की संख्या अभी और बढ़ने की उम्मीद है।मारे गए नक्सलियों में उनका कमांडर व 25 लाख रुपये का इनामी शंकर राव तथा 25 लाख की इनामी ललिता भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त माड क्षेत्र का नक्सली कमांडर राजू भी मारा गया है। नक्सलियों की जवाबी कार्रवाई में बीएसएफ के इंस्पेक्टर रमेश चंद्र चौधरी को पैर में गोली लगी है। डीआरजी के दो जवानों के भी घायल हुए हैं। तीनों को एयरलिफ्ट कर रायपुर लाया गया है। नक्सलियों के विरुद्ध कार्रवाई में यह अबतक की सबसे बड़ी सफलता है।

इससे पहले दो अप्रैल 2024 को ही जवानों ने बीजापुर में 13 नक्सलियों को ढेर कर दिया था।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कार्रवाई की सफलता पर जवानों को बधाई देते हुए कहा है कि सरकार प्रदेश को नक्सलियों से मुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश की सुख शांति के लिए नक्सलियों से वार्ता और मुख्यधारा में वापसी के लिए रास्ते अभी भी खुले हैं। ध्यान रहे कि 14 अप्रैल को ही राजनांदगांव में चुनावी सभा के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने केंद्र की सत्ता में तीसरी बार काबिज होने पर नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ का संकल्प लिया था। बस्तर के आईजी पी सुंदरराज तथा बीएसएफ के डीआईजी आलोक कुमार सिंह ने नक्सल विरोधी अभियान में इसे बड़ी सफलता करार दिया है।

उन्होंने बताया कि थाना छोटेबेठिया से लगभग 14-15 किमी दूर डीआरजी एवं बीएसएफ की संयुक्त पार्टी और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। नक्सलियों से सात एके 47 और तीन एलएमजी हथियार और इंसास रायफल भी बरामद किए गए हैं। कांकेर के एसपी आईके एलेसेला ने बताया कि चुनाव के दौरान हिंसा के लिए महाराष्ट्र की सीमा से सटे इस क्षेत्र में नक्सलियों की बैठक की सूचना के आधार पर संयुक्त कार्रवाई करते हुए घेराबंदी की गई। नक्सलियों ने जवाबी हमला किया परंतु उन्हें पहाड़ी क्षेत्र में नीचे की तरफ भागने को मजबूर होना पड़ा। जवानों को इसका लाभ मिला और उन्हें ढेर कर दिया।

बैलेट से चुनाव में क्या होता था, आप भूल गए होंगे पर हमें याद है... सुप्रीम कोर्ट ने प्रशांत भूषण से ऐसा क्यों कहा

नईदिल्ली, 17 अप्रैल [एजेंसी]।

ईवीएम में हेरफेर की आशंकाएं जताते हुए वीवीपैट पर्चियों की ईवीएम से 100 प्रतिशत मिलान करने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सिस्टम पर संदेह नहीं करने की नसीहत दी। शीर्ष कोर्ट ने कहा, हमें किसी पर भरोसा करने की जरूरत है, सिस्टम को इस तरह खारिज करने की कोशिश न करें।याचिकाकर्ताओं की ओर से बैलेट से चुनाव का जर्मनी का उदाहरण दिए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारत में चुनाव कराना बहुत बड़ा काम है, इस तरह के उदाहरण न दें। बैलेट सिस्टम पर लौटने वाले यूरोप के उदाहरण यहां नहीं चल सकते। जर्मनी में पांच-छह करोड़ जनसंख्या है और भारत में 97 करोड़ पंजीकृत मतदाता हैं। इतना ही नहीं कोर्ट ने याचिकाकर्ता संगठन की ओर से बैलेट से चुनाव कराने की पैरोकारी कर रहे वकील प्रशांत भूषण से यह भी कहा कि जब बैलेट से चुनाव होता था, तब क्या होता था, आप भूल गए होंगे पर हमें याद है।जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने गैरसरकारी संगठन एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स की ओर से दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान ये टिप्पणियां कीं। सुनवाई के दौरान वकील प्रशांत भूषण ने ईवीएम और वीवीपैट सिस्टम में हेरफेर की आशंका जताई। उन्होंने कहा कि वह यह नहीं कह रहे कि हेरफेर किया गया है, उनका तो कहना है कि हेरफेर किया जा सकता है। ईवीएम और वीवीपैट प्रोग्रामेबल चिप होते हैं और इनमें दुर्भावनापूर्ण प्रोग्राम डाले जा सकते हैं। इस पर जस्टिस खन्ना ने कहा कि मानवीय हस्तक्षेप से समस्याएं पैदा होती हैं, वहां मानवीय कमजोरियां और पूर्वाग्रह हो सकता है, लेकिन सामान्य तौर पर मानवीय हस्तक्षेप के बगैर मशीन एकदम सटीक परिणाम देगी।

समस्या तब पैदा होती है, जब हेरफेर या अनधिकृत परिवर्तन करने के लिए मानवीय हस्तक्षेप होता है। यदि आप उस पर बहस करना चाहते हैं तो करें। इसके साथ ही कोर्ट ने चुनाव आयोग को मतदान से लेकर मतगणना तक अपनाई जाने वाली पूरी प्रक्रिया, आंकड़े और ईवीएम मशीन, वीवीपैट आदि की सुरक्षा की होने वाली व्यवस्था बताने को कहा। भूषण की दलीलों पर पीठ ने पूछा कि उनकी मांग क्या है। भूषण ने तीन मांगे रखीं। पहली, चुनाव बैलेट से कराए जाएं। दूसरी, वीवीपैट पर्ची मतदाता को मिले और फिर वह उसे बाक्स में डाले। तीसरी वीवीपैट मशीन में पारदर्शी शीशा लगाया जाए जो कि 2017 में मशीन के डिजाइन में परिवर्तन करके हटा दिया गया है और अब उसकी जगह एक धुंधला सा शीशा लगा दिया गया है और सात सेकेंड के लिए लाइट जलती है जब मतदाता अपनी पर्ची देख सकता है, लेकिन वह अंदर यह नहीं देख सकता। कुछ यूरोपीय देशों के बैलेट सिस्टम पर लौटने की दलीलों पर जस्टिस दत्ता ने कहा, यह बहुत बड़ा काम है।

भारतीय नागरिक के इस गजब कारनामे ने चीन को हैरत में डाला, UN अधिकारी ने शून्य से नीचे के तापमान में किया योग

बीजिंग, 17 अप्रैल [एजेंसी]।

हमारे देश में लोग खुद को स्वस्थ्य रखने के लिए प्रचीन काल से ही योग का सहारा लेते रहे हैं। योग न केवल हमारे शरीर की मांसपेशियों को अच्छा व्यायाम देता है, बल्कि यह हमारे दिमाग को भी शांत रखने में मददगार होता है।वैसे योग के फायदे को लेकर रोजाना कई खबरें सामने आती हैं, लेकिन एक संयुक्त राष्ट्र के भारतीय राजनयिक ने चीन में योग के जरिए एक ऐसा कारनामा किया है, जिससे वो सुर्खियों में आ गए हैं।दरअसल, चीन में संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख सिद्धार्थ चटर्जी इन दिनों चीनी सोशल मीडिया पर वायरल हैं। वायरल होने की वजह ये है कि उन्होंने शून्य से भी नीचे के तापमान में व्यायाम किया है और कई कठिन योग अभ्यास भी किया है। चटर्जी का कहना है कि इतने कम तापमान में शारीरिक और मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद व्यायाम करने से ही मिली।चीन के लिए संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर सिद्धार्थ चटर्जी ने हाल ही में गहरी सांस लेने वाले योग के फायदे को लेकर एक डॉक्यूमेंट्री जारी किया था, इसमें उन्होंने बताया था कि इससे कोरोना जैसे वायरस से प्रतिरक्षा करने में मदद मिलेगी। सिद्धार्थ चटर्जी की साढ़े चार मिनट की डॉक्यूमेंट्री का शीर्षक ब्रीथिंग फॉर गुड हेल्थ है। डॉक्यूमेंट्री की शुरुआत ओम के उच्चारण के साथ होती है।

वीडियो में देखा जा सकता है कि सिद्धार्थ ठंडे बीजिंग के मौसम में जमी हुई झील पर एक पतले बिस्तर पर शर्टलेस बैठे हुए हैं। इसके बाद सिद्धार्थ पेट को अंदर-बाहर करने के बाद गहरी सांस लेने की कसरत करते हैं। पेट के मंथन के बाद सिद्धार्थ शीर्षासन का कठिन अभ्यास करते हैं। सिद्धार्थ चटर्जी की बर्फ में योग करने की वीडियो चीन में सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। व्यायाम करते हुए अपनी डॉक्यूमेंट्री में सिद्धार्थ करते हैं, जब हम दुनिया में आते हैं तो सबसे पहला काम सांस लेना है और जब हम दुनिया को छोड़ते हैं तो आखिरी काम हम सांस नेता बंद करते हैं।

लॉज के बंद कमरे में मिले दो शव, युवक फंदे पर लटका था, बेड पर पड़ी थी युवती, दोनों यूपी पुलिस में थे सिपाही

प्रयागराज। एक लॉज के कमरे में सिपाही राजेश वैष्णव और प्रिया तिवारी के शव मिलने से खलबली मच गई। मथुरा के भगोरी थाना स्थित धनीपुरा गांव निवासी 27 वर्षीय राजेश वर्ष 2019 बैच का सिपाही था। उसकी शादी हो चुकी थी, जबकि कानपुर के नौबस्ता स्थित महरिया चौराहा निवासी 25 वर्षीय प्रिया वर्ष 2020 बैच की सिपाही थी। प्रिया शाहगंज क्षेत्र के मिनहाजपुर मोहल्ले में लॉज में किराए पर कमरा लेकर रहती थी। मंगलवार शाम राजेश ड्यूटी पर नहीं पहुंचा तो सहकर्मियों ने उसे फोन किया। फोन उठा नहीं तो एक सिपाही कमरे पर पहुंचा तो दरवाजा भीतर से बंद था। आवाज लगाने पर कोई उत्तर नहीं मिला। खिड़की से देखा तो सिपाही फंदे पर लटक रहा था। बेड पर महिला का शव पड़ा था।

बिना दया के हमास से लड़ रहा इजरायल, प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने नई सेना भर्तियों को दिया अहम संदेश

यरूशलम, 17 अप्रैल [एजेंसी]।

ईरान के साथ चल रहे तनाव के बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को बड़ा बयान दिया। नई सेना में भर्ती होने वाले सैनिकों से उन्होंने कहा कि इजरायल बिना दया के हमास से लड़ रहा है। गौरतलब है कि हमास के 7 अक्टूबर के हमले के बाद से इजरायल ने गाजा में अपना बमबारी अभियान जारी रखा है और युद्ध और घेराबंदी के कारण तटीय क्षेत्र बड़े पैमाने पर तबाह हो गया है। इस जंग में 24 लाख लोग मारे गए हैं। बड़ी संख्या में नागरिकों की मृत्यु और गंभीर मानवीय संकट पर वैश्विक चिंता बढ़ गई है।नेतन्याहू ने कहा, आप एक क्रूर दुश्मन को पीछे हटाने के लिए आईडीएफ (सेना), शानदार युद्धक स्थिति में शामिल हो रहे हैं। हम उन पर बिना किसी दया के हमला कर रहे हैं और हम उन्हें हरा देंगे। उनकी यह टिप्पणी पिछले हफ्ते ईरान द्वारा इजरायल पर अपना पहला सीधा हमला शुरू करने के बाद आई है, जिससे मध्य पूर्व में तनाव तेजी से बढ़ गया है। नेतन्याहू ने सैनिकों से कहा कि हमास से लड़ना एक बड़े अभियान का हिस्सा था। ईरान हमास के पीछे, हिज़्बुल्लाह और अन्य के पीछे खड़ा है, लेकिन हम वहां जीतने और सभी क्षेत्रों में अपनी रक्षा करने के लिए दृढ़ हैं। इजरायली आधिकारिक आंकड़ों की एएफपी तालिका के अनुसार, युद्ध की शुरुआत करने वाले हमास के हमले के परिणामस्वरूप इजरायल में 1,170 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर नागरिक थे।

हमास द्वारा संचालित क्षेत्र में स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजरायल के जवाबी हमले में गाजा में कम से कम 33,843 लोग मारे गए हैं, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। इजरायल ने कहा कि युद्ध शुरू होने के बाद से गाजा में उनके 260 सैनिक मारे गए हैं।

ड्रोन के इस्तेमाल को लेकर अच्छी खबर, नागरिक उड्डयन सचिव ने लाइसेंसिंग को लेकर दिया बड़ा अपडेट

नईदिल्ली, 17 अप्रैल [एजेंसी]।

नागरिक उड्डयन सचिव वुमलुनमंग वुअलनाम ने कहा है कि ड्रोन के सार्वजनिक व औद्योगिक इस्तेमाल के लिए अलग-अलग नियम बनाए जा रहे हैं और सरकार की मंशा है कि सभी सेक्टर में ड्रोन का समान विकास हो। ड्रोन के पायलट लाइसेंसिंग के नियम को भी आसान बनाया जा रहा है। औद्योगिक संगठन सीआईआई के एक कार्यक्रम में सचिव ने कहा कि ड्रोन के इस्तेमाल के लिए नियम बनाने का काम चल रहा है।ड्रोन मार्ग के लिए समस्त भौगोलिक एरिया के मैपिंग का काम पूरा हो गया है। सिर्फ 10 प्रतिशत एरिया को रेड जोन में रखा गया है बाकी के 90 प्रतिशत एरिया को ग्रीन जोन में रखा गया है। रेड जोन में ड्रोन उड़ाने के लिए केंद्र सरकार की अनुमति आवश्यक है जबकि ग्रीन जोन में कुछ नियमों के पालन के साथ ड्रोन उड़ाने के लिए किसी की अनुमति नहीं चाहिए। ड्रोन मार्ग का पूरा विवरण ऑनलाइन दिया जा रहा है और भविष्य में इसके ड्रोन पायलट के लाइसेंसिग को और आसान बनाया जाएगा। ड्रोन सर्विस व पायलट प्रशिक्षण जैसी सेवा प्रदान करने वाली कंपनी ड्रोन डेस्टिनेशन के एमडी चिराग शर्मा ने बताया कि सार्वजनिक जीवन में ड्रोन के इस्तेमाल में जबरदस्त बढ़ोतरी की संभावना देखते हुए ही वर्ष 2030 तक भारत में ड्रोन का कारोबार 40 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

इनमें से ड्रोन मैन्यूफैक्चरिंग की हिस्सेदारी 23 अरब डालर तो ड्रोन सर्विस की हिस्सेदारी तो 17 अरब डालर ड्रोन सर्विस की होगी। उन्होंने बताया कि अगले कुछ सालों में कम से कम तीन लाख ड्रोन पायलट की जरूरत होगी और ड्रोन के रखरखाव के लिए हजारों की संख्या में टेक्नीशियन की जरूरत होगी। कृषि के अलावा अब ड्रोन का इस्तेमाल रेल, सड़क, बंदरगाह, सर्वेक्षण, मानचित्रण, दूरसंचार, बिजली व लाजिस्टिक जैसे सेक्टर में तेजी से बढ़ने जा रहा है।

असम में चाय बागान श्रमिकों की दिहाड़ी बढ़ाएगी कांग्रेस, जोरहाट में प्रियंका गांधी का रोड शो

तिताबोर, 17 अप्रैल [एजेंसी]।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में यदि विपक्षी गठबंधन विजयी होता है तो असम के चाय बागानों के श्रमिकों की दिहाड़ी बढ़ाई जाएगी। असम के जोरहाट जिले में पार्टी के प्रत्याशी गौरव गोगोई के समर्थन में रोड शो करने पहुंचीं प्रियंका ने कहा कि देश में बेरोजगारी चरम पर है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने हालिया साक्षात्कार में केवल दो बार इसका उल्लेख किया। केंद्र सरकार के विभागों में 30 लाख रिक्तियां हैं और यदि कांग्रेस सत्ता में आती है तो इन पदों पर भर्ती करेगी। तिताबोर में भीड़ को संबोधित करते हुए प्रियंका ने दावा किया कि सत्ताधारी पार्टी संविधान बदलना चाहती है और ऐसा हुआ तो देश के आम लोग सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। प्रियंका ने कहा, दो तीन वर्ष पहले विधानसभा चुनाव में मैंने वादा किया था कि कांग्रेस सरकार बनती है तो मजदूरी बढ़ाई जाएगी, लेकिन आपने भाजपा को चुना और मजदूरी 250 के आसपास ही रह गई।नागरिकता (संशोधन) अधिनियम 2019 के बारे में प्रियंका ने कहा कि यह पूरी तरह से ऐतिहासिक असम समझौते के विरुद्ध है। यह समझौता उनके पिता पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पहल के बाद हुआ था।

राजस्थान में नाबालिग के साथ जबरन दुष्कर्म और मतांतरण का आरोप, परिवार ने आत्महत्या करने की चेतावनी दी

जयपुर, 17 अप्रैल [एजेंसी]।

राजस्थान के अलवर जिले में एक 17 साल की नाबालिग दलित लड़की का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने और फिर मतांतरण करवाने का मामला सामने आया है। मतांतरण करवाकर नाबालिग का मुस्लिम युवक के साथ निकाह करवाने की शिकायत पीड़िता के स्वजन ने पुलिस में की है। पीड़िता के स्वजन ने अनुसूचित जाति और जनजाति अधिनियम के तहत आरोपितों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पॉक्सो कानून में भी मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है। रामगढ़ पुलिस उप अधीक्षक मामले की जांच कर रहे हैं। दलित समाज ने आरोपितों की शीघ्र गिरफ्तारी नहीं होने पर आंदोलन करने और पीड़िता के स्वजन ने आत्महत्या करने की चेतावनी दी है। पीड़िता के स्वजन ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाते हुए कहा कि नाबालिग 13 अप्रैल को अपनी पायल ठीक करवाने के लिए बाजार गई थी। इसी दौरान वह रास्ते में से अचानक गायब हो गई। स्वजन ने जब नाबालिग को तलाशना शुरू किया तो पता चला कि साबिर नामक युवक अपने एक अन्य साथी के साथ पीड़िता को जबरन अपने साथ लेकर गया।

बीजेपी को जिताना चाहती है कांग्रेस, पूर्व कांग्रेसी सीएम ने किया चौंकाने वाला दावा

डेडा, 17 अप्रैल [एजेंसी]।

लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के पूर्व सीएम और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने सोमवार को कांग्रेस आलाकमान पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कभी-कभी ऐसा लगता है कि कांग्रेस ने भाजपा के साथ गठबंधन कर लिया है क्योंकि पार्टी अपनी ताकत बढ़ाने के लिए कुछ नहीं कर रही है। पहले कांग्रेस में व्यवस्था परिवर्तन के लिए 23 नेता लड़ रहे थे, लेकिन नेतृत्व कुछ नहीं सुन रहा था। जब मुद्दे उठाए गए, तो उन्होंने कहा कि वे भाजपा से बात कर रहे थे। कभी-कभी मुझे लगता है कि वे (कांग्रेस) खुद चाहते हैं कि बीजेपी जीते।गुलाम नबी आजाद ने आगे कहा,देश और इस क्षेत्र में पार्टियों के लिए प्रमुख मुद्दे गरीबी, बेरोजगारी और मुद्रास्फीति पर नियंत्रण हैं। उन्होंने कहा, जो भी पार्टी सत्ता में आती है, उनके लिए सबसे बड़ा मुद्दा गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई कम करना है। सोमवार को गुलाम नबी आजाद डोडा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव धर्म पर नहीं बल्कि विकास पर लड़ा जाता है।

कश्मीर को बर्बाद करने के लिए अलगाववादियों सहित सभी राजनीतिक दलों की आलोचना करते हुए गुलाम नबी आजाद ने कहा कि इन राजनेताओं के कारण जम्मू-कश्मीर में एक लाख लोग मारे गए हैं। उन्होंने कहा कि कश्मीर में आग लगाने के बाद सभी नेता घाटी छोड़कर बाहर जाकर बस गए। जम्मू कश्मीर के उधमपुर में 19 अप्रैल, जम्मू में 26 अप्रैल, अनंतनाग-राजौरी में 7 मई, श्रीनगर में 13 मई और बारामूला में 20 मई को मतदान होना है।

क्या शांत हो जाएगा ईरान-इजरायल के बीच का युद्ध, विशेषज्ञों ने बताई यह दो बड़ी वजह

नईदिल्ली, 17 अप्रैल [एजेंसी]।

रविवार सुबह इजरायल पर ईरान की तरफ से दागे गये मिसाइलों के बाद समूचे खाड़ी क्षेत्र में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में तनाव देखा जा रहा है। लेकिन, कुछ विशेषज्ञ यह मान रहे हैं कि स्थिति यहां से बहुत ज्यादा बिगड़ने की आशंका कम है। एक वजह तो यह है कि ईरान ने स्वयं ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह संदेश भेजना शुरू कर दिया है कि वह हालात को और बिगाड़ने के पक्ष में नहीं है। इसे इजरायल की विजय के तौर पर भी चिन्हित किया जा रहा है। दूसरी बड़ी वजह यह है कि अमेरिका व दूसरे सहयोगी देश इजरायल को मनाने में पूरी तरह से जुटे हुए हैं कि उसकी तरफ से किये जाने हमले का बहुत ही व्यापक असर हो सकता है। यह असर सिर्फ युद्ध के तौर पर नहीं दिखाई देगा बल्कि भारत जैसे देशों को युद्ध में सीधे तौर पर शामिल नहीं होते हुए भी बड़ा खामियाजा उठाना पड़ सकता है। पूर्व राजदूत व कूटनीतिक विशेषज्ञ अशोक सज्जनहार का मानना है कि, ईरान की तरफ से इजरायल पर किया गया हमला बहुत हद तक वहां की सरकार का अपने घरेलू मोर्चे पर संदेश देने की कोशिश थी। इरान के दमाकस (सीरिया) स्थित कंसुलेट पर इजरायल के घातक हमले के बाद से ही वहां की सरकार पर कार्रवाई करने का दवाब था। निश्चित तौर पर ईरान ने पहली बार इजरायल पर सीधे तौर पर हमला किया है। लेकिन हमले

के पैटर्न को देख कर यह लगता है कि इसका मकसद गंभीर तरीके से नुकसान पहुंचाने का नहीं था बल्कि सिर्फ संदेश देना था।यह भी देखना चाहिए कि इस हमले के तुरंत बाद ईरान की तरफ से घोषणा की गई है कि उसकी तरफ से अब दूसरा हमला नहीं किया जाएगा। मेरा मानना है कि ईरान को यह बखूबी पता है कि अगर इजरायल व उसके सहयोगी देशों की तरफ से कार्रवाई होती है तो वह टिक नहीं पाएगा। ऐसे में ईरान की तरफ से अब कोई कोशिश नहीं होगी कि मौजूदा तनाव की स्थिति और बिगड़े। देश के एक अन्य प्रमुख रणनीतिक विश्लेषक ब्रह्मा चेलानी ने सोशल मीडिया एक्स में लिखा है कि, ईरान ने जवाबी हमले से पहले कई बार चेतावनी दी थी, जिससे लगता है कि यह पूर्वनियोजित दिखावा था। इसका उद्देश्य कम से कम नुकसान पहुंचाने के साथ ही ज्यादा से ज्यादा ड्रामा करना रहा है।

इनकी प्लानिंग इस तरह से की गई थी कि इजरायल व अमेरिका के एयर सिस्टम उन्हें रोक सके। सनद रहे कि इरान सरकार की तरफ से बताया गया है कि उनके यहां घरेलू स्तर पर निर्मित दो तरह के कुल 267 द्रोन मिसाइलें इजरायल पर दागी गई हैं। इजरायल की तरफ से बताया गया है कि तकरीबन सभी द्रोन मिसाइलों को निशाने पर पहुंचने से पहले ही नेस्ताबूद कर दिया गया है। भारत ने भी इस हमल पर तत्काल प्रतिक्रिया दी और दोनों देशों को संयम बरतने व शांति लाने को कहा। वैसे अभी भी इजरायल की तरफ से ईरान पर जवाबी कार्रवाई की संभावना कायम है। सज्जनहार का कहना है कि अगर इजरायल की तरफ से कार्रवाई होती है तो बहुत संभव है कि वह सीमित नहीं रहे। इसका भारत पर भी बड़ा असर पड़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। भारत का इजरायल और ईरान दोनों के साथ बहुत ही अच्छे द्विपक्षीय संबंध हैं। इजरायल भारत का रणनीतिक साझेदार है। जबकि ईरान के साथ एतिहासिक रिश्ता है। ईरान में भारत चाबहार पोर्ट विकसित कर रहा है जो हमारे रणनीतिक हितों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है।

अस्त्र मार्क-2 मिसाइल का परीक्षण जल्द, 120-130 किमी मारक क्षमता से दुश्मनों के छुड़ाएगी छक्के

नईदिल्ली, 17 अप्रैल [एजेंसी]।

भारत अस्त्र मार्क-2 मिसाइल का परीक्षण करने की तैयारी कर रहा है। हवा से हवा में 120-130 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली इस मिसाइल का अगले कुछ ही महीनों में परीक्षण किया जा सकता है। लगभग 90-100 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली हवा से हवा में मार करने वाली अस्त्र मार्क-1 मिसाइल पहले से ही भारतीय वायुसेना में है।तेजस और एसयू-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों को अस्त्र मार्क-1 मिसाइल से लैस किया जा चुका है। रक्षा अधिकारियों ने बताया, हम अगले कुछ महीनों में अस्त्र मार्क-2 मिसाइल का पहला परीक्षण करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अस्त्र मार्क-2 को मित्र देशों को निर्यात भी किया जा सकेगा। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन अस्त्र मार्क-3 को विकसित करने की दिशा में काम कर रहा है। रक्षा मंत्रालय ने वायुसेना और नौसेना के लिए हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की आपूर्ति के लिए भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे।

रामनवमी

रामनवमी त्रेता युग के दौरान अयोध्या में श्री रामचन्द्र के प्रकट होने की याद में मनाया जाने वाला एक हिंदू त्योहार है। वैदिक शास्त्र इस बात की पुष्टि करते हैं कि भगवान कृष्ण या भगवान विष्णु अपने प्रिय अवतार के रूप में प्रकट हुए, जिन्हें रामचंद्र के नाम से जाना जाता है, जो विविध लीलाओं में संलग्न थे, जिन्होंने संस्कृति, वीरता, सिद्धांत, नैतिकता, सुशासन, विनम्रता और त्याग का उदाहरण दिया। भारत के प्राचीन धर्मग्रंथों में इस बात पर ज़ोर दिया गया है कि भगवान विष्णु भक्तों को आकर्षित करने और दुष्टों का विनाश करने के लिए विभिन्न अवतारों में अवतरित होते हैं। उनकी गतिविधियाँ, जिन्हें लीला (लीला) के नाम से जाना जाता है, उनके प्रिय भक्तों द्वारा पूजनीय, मनाई जाती हैं और उन पर चिंतन किया जाता है। भगवान विष्णु का राम अवतार, या अवतार, उनकी शिक्षाओं को पूरे देश में फैलाने के लिए ऐसी दिव्य लीलाओं की विशेषता है।

राम नवमी भगवान राम के मानवीय और दिव्य दोनों रूपों में प्रकट होने का प्रतीक है, जिसे पूरे भारत में, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के पवित्र शहर अयोध्या में, जो भगवान राम का जन्मस्थान है, गहरी श्रद्धा और उत्सव के साथ मनाया जाता है। राम नवमी से पहले, हिंदू चैत्र नवरात्रि के दौरान नौ दिनों का उपवास रखते हैं, शराब, धूम्रपान से परहेज करते हैं और शरीर के विषहरण के लिए प्रार्थना और ध्यान में संलग्न रहते हुए सात्विक शाकाहारी भोजन का सेवन करते हैं। नौवें और अंतिम दिन, अयोध्या और भारत भर के अन्य शहर प्रार्थना और उत्सव में डूबे हुए, एक उज्ज्वल दुल्हन की तरह सजते हैं। राम नवमी भगवान राम के जीवन के हर पहलू का सम्मान करती है।

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, यह व्यापक रूप से माना जाता है कि भगवान राम का जन्म इसी दिन अयोध्या में हुआ था। कुछ अन्य भक्तों का मानना ? है कि भगवान राम विष्णु के अवतार थे जो इस दिन नवजात शिशु के रूप में स्वर्ग से अयोध्या आये थे।

भक्तों के घरों या भगवान राम को समर्पित धार्मिक स्थलों पर भजन और कीर्तन आयोजित किए जाते हैं। इस दिन लोग आमतौर पर आशीर्वाद लेने के लिए मंदिरों में जाते हैं। अयोध्या जैसे स्थानों में, राम की छोटी मूर्तियों को पालने में रखकर जुलूस निकाले जाते हैं।

अधिकांश मंदिर हवन का आयोजन करते हैं - अग्नि से संबंधित एक अनुष्ठान जिसका उद्देश्य मन, शरीर और आत्मा को शुद्ध करना है। पुजारी भक्तों को प्रसाद के रूप में मिठाइयाँ और फल वितरित करते हैं। आम तौर पर, भक्त पूरे दिन आधी रात तक उपवास रखते हैं। व्रत आमतौर पर मिठाई और फल खाकर तोड़ा जाता है।

रामलीला - भगवान राम द्वारा रावण को पराजित करने का एक नाटकीय चित्रण देश के कई हिस्सों में किया जाता है। नाटक आमतौर पर खुले मंच पर प्रदर्शित किया जाता है। हालाँकि यह त्यौहार पूरे देश में मनाया जाता है, लेकिन प्रमुख उत्सव अयोध्या, भद्राचलम, रामेश्वरम और सीतामढी में होते हैं। इस दिन भगवान राम के अलावा सीता, लक्ष्मण और हनुमान की भी पूजा की जाती है।

-: रामनवमी उत्सव को उसकी पूरी महिमा के साथ देखने के लिए शीर्ष पांच भारतीय गंतव्य :-

अयोध्या, उत्तर प्रदेश

राम नवमी का त्योहार मनाने के लिए अयोध्या शीर्ष भारतीय गंतव्य है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, अयोध्या को भगवान राम का जन्म स्थान माना जाता है। लोग अपने घरों को सजाते हैं, सजाते हैं और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। रामनवमी का त्योहार मनाने के लिए एक सुंदर रथ जुलूस का आयोजन किया जाता है।

रामेश्वर, तमिलनाडु

रामेश्वर भगवान राम को समर्पित अपने मंदिर के लिए लोकप्रिय है। ऐसा माना जाता है कि श्रीलंका से रामेश्वर तक जाने के लिए राम सेतु नामक पुल का निर्माण किया गया था। रामेश्वर शहर के आसपास रहने वाले लोग इस गंतव्य के लिए 2-3 दिन की यात्रा की योजना बनाने पर विचार कर सकते हैं।

बद्राचलम, तेलंगाना

भद्राचलम, तेलंगाना का एक स्थान, भगवान राम को समर्पित भद्राचलम मंदिर के लिए लोकप्रिय है। गोदावरी नदी के तट पर स्थित इस स्थान पर रामनवमी को बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। यह मंदिर रामनवमी की सभी गतिविधियों का केंद्र है।

सीतामढी, बिहार

सीतामढी को देवी सीता का जन्मस्थान माना जाता है। यह हिंदू तीर्थयात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान है। जानकी मंदिर, एक मंदिर, राम नवमी का त्योहार मनाने के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर को सजाया जा रहा है और मेला भी लगता है।

वोंटीमित्र, आंध्र प्रदेश

वोंटीमित्र तमिलनाडु में एक छोटा सा गंतव्य है। प्रसिद्ध पर्यटन स्थल कोदंडराम मंदिर है, जो भगवान राम को समर्पित है। यह मंदिर राम नवमी का त्योहार मनाने के लिए एक उल्लेखनीय स्थान है।

श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने पर ही व्यक्तित्व में परिष्कार की संभावना

श्रीराम के चौदह वर्ष के वनवास से हमें पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा मिलती है। जन्म, बचपन, शासन एवं मृत्यु तक उनका सम्पूर्ण जीवन प्रकृति-प्रेम एवं पर्यावरण चेतना से ओतप्रोत है। आज देश एवं दुनिया में पर्यावरण प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन ऐसी समस्याएं हैं जिनका समाधान श्रीराम के प्रकृति प्रेम एवं पर्यावरण संरक्षण की शिक्षाओं से मिलता है।

हिंदू धर्म में आस्था रखने वालों के रामनवमी बहुत ही शुभ दिन होता है। सनातन शास्त्रों में निहित है कि त्रेता युग में चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर भगवान श्रीराम का अवतरण हुआ था। धार्मिक मत है कि सभी प्रकार के मांगलिक कार्य इस दिन बिना मुहूर्त विचार किये भी संपन्न किए जा सकते हैं। रामनवमी पर पारिवारिक सुख-शांति और समृद्धि के लिए व्रत भी रखा जाता है। भगवान श्रीराम की पूजा करने से साधक के सकल मनोरथ सिद्ध होते हैं। साथ ही साधक भगवान श्रीराम की कृपा के भागी बनते हैं। पर्यावरण की विकराल होती समस्या के संदर्भ में भगवान श्रीराम का प्रकृति प्रेम एवं पर्यावरण संदेश इस समस्या के समाधान का एक बड़ा माध्यम बन सकता है, ऐसा हुआ तो हमारा रामनवमी मनाना सार्थक होगा।

श्रीराम के चौदह वर्ष के वनवास से हमें पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा मिलती है। जन्म, बचपन, शासन एवं मृत्यु तक उनका सम्पूर्ण जीवन प्रकृति-प्रेम एवं पर्यावरण चेतना से ओतप्रोत है। आज देश एवं दुनिया में पर्यावरण प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन ऐसी समस्याएं हैं जिनका समाधान श्रीराम के प्रकृति प्रेम एवं पर्यावरण संरक्षण की शिक्षाओं से मिलता है। भारतीय संस्कृति में हरे-भरे पेड़, पवित्र नदियां, पहाड़, झरनों, पशु-पक्षियों की रक्षा करने का संदेश हमें विरासत में मिला है। स्वयं भगवान श्रीराम व माता सीता 14 वर्षों तक वन में रहकर प्रकृति को प्रदूषण से बचाने का संदेश दिया। ऋषि-मुनियों के हवन-यज्ञ के जरिए निकलने वाले ऑक्सीजन को अवरोध पहुंचाने वाले दैत्यों का वध करके प्रकृति की रक्षा की। जब श्रीराम ने हमें प्रकृति के साथ जुड़कर रहने का संदेश दिया है तो हम वर्तमान में क्यों प्रकृति के साथ खिलवाड़ करने में लगे हैं। हमारा कर्तव्य है कि हम प्रकृति की रक्षा करें। गोस्वामी तुलसीदास ने 550 साल पहले रामचरित मानस की रचना करके श्रीराम के चरित्र से दुनिया को श्रेष्ठ पुत्र, श्रेष्ठ पति, श्रेष्ठ राजा, श्रेष्ठ भाई, प्रकृति प्रेम और मर्यादा का पालन करने का संदेश दिया है। रामचरित मानस एक दर्पण है जिसमें व्यक्ति अपने आपको देखकर अपना वर्तमान सुधार सकता है एवं पर्यावरण की विकराल होती समस्या का समाधान पा सकता है। भारतीय समाज का तानाबाना दो महाकाव्यों रामायण एवं महाभारत के इर्द-गिर्द बुना गया है। इनमें जीवन के साथ मृत्यु को भी अमृतमय बनाने का मार्ग दिखाया गया है। इनमें सशरीर मोक्ष मार्ग के अद्भुत एवं विलक्षण उदाहरण हैं। रामायण में प्रभु श्रीराम चलते हुए सरयू नदी में समा जाते हैं और महाभारत में युधिष्ठिर हिमालय को लांघकर मोक्ष को प्राप्त होते हैं। इन दोनों ही घटनाओं में महामानवों ने मृत्यु का माध्यम भी प्रकृति यानी नदी एवं पहाड़ को बनाकर जन-जन को प्रकृति-प्रेम की प्रेरणा दी है। लेकिन हम देख रहे हैं कि आज हमने मोक्षदायी नदी और पहाड़ों की ऐसी स्थिति कर दी है कि वहां मोक्ष तो क्या जीवन जीना भी कठिन हो गया है। क्या हम नदियों एवं पहाड़ों को मोक्षदायी का सम्मान पुनः प्रदान कर पाएंगे। यह हमारे जमाने का यक्षप्रश्न है जिसका उत्तर देने श्रीराम और युधिष्ठिर नहीं आएंगे, लेकिन हमें ही श्रीराम एवं युधिष्ठिर बन कर प्रकृति एवं पर्यावरण के आधार नदियों एवं पहाड़ों के साथी बनना होगा, उनका संरक्षण एवं सम्मान करना होगा। आज संपूर्ण विश्व में नदियों, पहाड़ों, प्रकृति के प्रदूषण को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है, लेकिन हजारों साल पहले भगवान श्रीराम ने प्रकृति के बीच रहकर प्रकृति को बचाने के लिए प्रेरित किया। भगवान श्रीराम वनवास काल में जिस पर्ण कुटीर में निवास करते थे वहां पांच वृक्ष पीपल, काकर, जामुन, आम व वट वृक्ष था जिसके नीचे बैठकर श्रीराम-सीता भक्ति आराधना करते थे। जो धर्म की रक्षा करेगा धर्म उसी की रक्षा करेगा। आदर्श समाज व्यवस्था का मूल आधार है प्रकृति एवं पर्यावरण के साथ संतुलन बनाकर जीना। रामायण में आदर्श समाज व्यवस्था को रामराज्य के रूप में बताया गया है उसका बड़ा कारण है प्रकृति के कण-कण के प्रति संवेदनशीलता। अनेक स्थानों पर तुलसीदासजी एवं वाल्मीकिजी ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता को रेखांकित किया है। रामराज्य पर्यावरण की दृष्टि से अत्यन्त सम्पन्न एवं स्वर्णिम काल था। मजबूत जड़ों वाले फल तथा फूलों से लदे वृक्ष पूरे क्षेत्र में फैले हुये थे। श्रीराम के राज्य में वृक्षों की जड़ें सदा मजबूत रहती थीं। वे वृक्ष सदा फूलों और फलों से लदे रहते थे। मेघ प्रजा की इच्छा और आवश्यकता के अनुसार ही वर्षा करते थे। वायु मन्द गति से चलती थी, जिससे उसका स्पर्श सुखद जान पड़ता था। इसलिए जो कुछ हम सब रामायण से समझ पाते हैं, वह ही मनुष्य के जीवन जीने की सनातन परंपरा है। वही परंपरा ही हम सबको यह बताती है कि प्रकृति रामराज्य का आधार है।

हम श्रीराम तो बनना चाहते हैं पर श्रीराम के जीवन आदर्शों को अपनाना नहीं चाहते, प्रकृति-प्रेम को अपनाना नहीं चाहते, यह एक बड़ा विरोधाभास है। अजीब है कि जो हमारे जन-जन के नायक हैं, सर्वोत्तम चेतना के शिखर है, जिन प्रभु श्रीराम को अपनी सांसों में बसाया है, जिनमें इतनी आस्था है, जिनका पूजा करते हैं, हम उन व्यक्तित्व से मिली सीख को अपने जीवन में नहीं उतार पाते। प्रभु श्रीराम ने तो प्रकृति के संतुलन के लिए बड़े से बड़ा त्याग किया। अपने-पराए किसी भी चीज की परवाह नहीं की। प्रकृति के कण-कण की रक्षा के लिए नियमों को सर्वोपरि रखा और मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए! पर हमने यह नहीं सीखा और प्रकृति एवं पर्यावरण के नाम पर नियमों को तोड़ना आम बात हो गई है। प्रकृति को बचाने के लिये संयमित रहना और नियमों का पालन करना चाहिए, इस बात को लोग गंभीरता से नहीं लेते। आज इक्कीसवीं शताब्दी में पर्यावरण प्रदूषण के रूप में मानव जाति के अस्तित्त्व को ही चुनौती प्रस्तुत कर दी है। वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, मृदा प्रदूषण, रेडियो एक्टिव प्रदूषण, ओजोन परत में छिद्र, अम्लीय वर्षा इत्यादि का अत्यन्त विनाशकारी स्वरूप बृद्धिजीवी, विवेकशील, वैज्ञानिकों की चिन्ता का कारण बन चुके हैं। मानव समाज किस समय कौन सी समस्या से ग्रस्त होता है और उसके निदान के लिए समाज के सदस्यों की भूमिका एवं सहभगिता एवं शासकीय प्रयासों की तुलना में अधिक उस समाज के सांस्कृतिक मूल्य अधिक प्रभावी होते हैं। इस संदर्भ में भारतीय संस्कृति के आधार पुरातन ग्रन्थ-वेद, उपनिषद, पुराण, रामायण के साथ- तुलसीदास जी द्वारा रचित रामचरित मानस का अध्ययन व विश्लेषण अत्यन्त लाभप्रद हो सकता है विशेषकर रामचरित मानस का क्योंकि वर्तमान समय में घर-घर में न केवल रामचरितमानस एक पवित्र ग्रन्थ के रूप में पूजा जाता है। वरन इसका पाठ पारिवारिक व सामाजिक स्तर पर किया जाता है। रामचरित मानस में पर्यावरण के संदर्भ में वर्णन करते हुए कहा है कि उस समय पर्यावरण प्रदूषण कोई समस्या नहीं थी। पृथ्वी के अधिकांश भू-भाग पर वन-क्षेत्र होता था। शिक्षा के केन्द्र आबादी से दूर ऋषि-मुनियों के वनों में स्थित आश्रम हुआ करते थे। प्रकृति की गोद में स्थित इन केन्द्रों से ही हमारी सभ्यता का प्रचार एवं प्रसार हुआ। यहाँ का वातावरण अत्यन्त स्वच्छ एवं निर्मल था। समाज में ऋषि-मुनियों का बड़ा सम्मान था। प्रतापी राजा-महाराजा भी इन ऋषि-मुनियों के सम्मुख नतमस्तक होने में अपना सौभाग्य समझते थे। यदि हम रामराज्य के अभिलाषी हैं तो गोस्वामी तुलसीदास जी की अवधारणा के अनुरूप शुद्ध पेयजल एवं शुद्ध वायु की उपलब्धता सुनिश्चित करना ही होगा। ऐसा कोई भी कार्य हमें प्रत्येक दशा में बन्द करना होगा जो वायु एवं जल को प्रदूषित करता हो चाहे उससे कितना भी भौतिक लाभ मिलता हो। पर्यावरण प्रदूषण का मूल कारण है हमारी भौतिक लिप्सा। धरती मानव की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु सक्षम है। हम यह भी नहीं सोच पा रहे हैं कि असीमित विदोहन जारी रहने से मानव की आने वाली सन्तति का भविष्य क्या होगा? रामराज्य में विदोहन की वृत्ति नहीं थी। रामचरित मानस में हम पाते हैं कि विभिन्न प्राकृतिक अवयवों को मात्र उपभोग की वस्तु नहीं माना गया है बल्कि सभी जीवों तथा वनस्पतियों से प्रेम का सम्बन्ध स्थापित किया गया है। प्रकृति के अवयवों का उपभोग निषिद्ध न होकर आवश्यकतानुसार कृतज्ञतापूर्वक उपभोग की संस्कृति प्रतिपादित की गयी है जैसे कि वृक्ष से फल तोड़कर खाना तो उचित है, लेकिन वृक्ष को काटना अपराध है। रामराज्य धरती पर अनायास स्थापित नहीं किया जा सकता है इसके लिए प्राकृतिक पर्यावरण संरक्षण की संस्कृति विकसित करने की आवश्यकता है।

रामचरितमानस में प्रकृति में उपलब्ध औषधीय तत्त्वों का भी प्रतीकात्मक रूप से बहुत ही सुन्दर वर्णन किया हैं। इस संदर्भ में कुछ दृष्टान्त अत्यन्त महत्त्वपूर्ण हैं जिनमें सर्वाधित चर्चित दृष्टान्त-युद्ध के समय लक्ष्मणजी के मूर्छित होने पर लंका से वैद्य सुसैन को बुलाया जाना और संजीवनी बूटी द्वारा लक्ष्मणजी का उपचार करना है। पर्यावरण के संरक्षण के लिए सतत मानवीय प्रयास यानी समर्पण और परिश्रम आवश्यक है। जब व्यक्ति और पर्यावरण के मध्य संगम होता है तब प्रकृति का स्वरूप मानव के प्रति सकारात्मक होता है। जहाँ जहाँ श्रीराम ने निवास किया वहीं प्रकृति का सौन्दर्य की अद्भुत छटा विकीर्ण हो गई। श्रीराम ने सिखाया कि उतार-चढ़ाव तो जीवन का अंग है। दुख किसने नहीं सहा और किसे नहीं होगा, पर यदि संकल्प मजबूत रहे और संकट काल में संयम बनाए रखें तो हम बड़े से बड़े तूफान, झंझावात का सामना कर सकते हैं। श्रीराम ने समता एवं संयम से जीने की सीख दी, पर हमने अनुकूलता-प्रतिकूलता के बीच संतुलन-धैर्य रखना भूल गये। श्रीराम ने अभय और मैत्री का सुरक्षा कवच पहनाया, हम प्रतिशोध और प्रतिस्पर्धा को ही राजमार्ग समझ बैठे। मेरा ईश्वर मैं ही हूं, मेरा राम मैं ही हूं-यह समझ तभी फलवान बन सकती है, जब व्यक्ति स्वयं श्रीराम को जीए और श्रीराम को जीने का तात्पर्य होगा-प्रकृति एवं पर्यावरण के साथ संतुलन स्थापित करना एवं उसका सम्मान करना।

अवैध कोयला परिवहन करने वालों के खिलाफ कार्यवाही

कलेक्टर के निर्देश का हुआ असर,रात में अफसर कर रहे हैं दौरा

कोरिया बैकुंठपुर। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने विगत दिनों खनिज विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि जिले में अवैध रूप से गिट्टी, कोयला, ईंट खनन व परिवहन करने वालों के खिलाफ कार्यवाही करें।

इसी कड़ी में विगत दिनों खनिज अधिकारी एवं उनके अमला द्वारा रात में ही छापामार कार्यवाही की गई थी। बैकुण्ठपुर तहसील क्षेत्र में छापामार कार्यवाही के दौरान वाहन क्रमांक एम.पी. 18 जी.ए. 0170 में तीन टन अवैध कोयला, वाहन चालक रामेश्वर राजवाड़े द्वारा परिवहन करते पाया गया। जानकारी के मुताबिक उक्त वाहन का मालिक नरेश कुमार बताया गया है। वाहन को जब्त कर चरचा थाना में सुपुर्दगी की कार्यवाही की गई तथा वाहन मालिक से अर्थदण्ड 34 हजार 396 रुपए की वसूली भी की गई है। खनिज अधिकारी ने बताया कि अवैध खनिज उत्खननकर्ता, परिवहनकर्ता व भण्डारकर्ताओं के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। बता दें विगत दिनों कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन आदि को रोकने के लिए आवश्यक व कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए थे, यह कार्यवाही भी उसी निर्देश का असर माना जा रहा है।

जंगलों को आग से बचाने के लिए सबकी सहभागिता जरूरी

कोरिया बैकुंठपुर। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने कहा कि गर्मी के मौसम में जंगलों या सूखे कचरे, कबाड़ में आग लगने की आशंका बनी होती है, इसके लिए नगरीय निकाय, फायर ब्रिगेड व वन विभाग को समुचित व्यवस्था कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। श्री लंगेह ने कहा कि जंगलों में आग न लगे इसके लिए संबंधित विभाग के अलावा सबकी सहभागिता भी जरूरी है। श्री लंगेह ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि आगजनी की घटना रोकने व आग न लगे इसके लिए स्वयं जागरूक होना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसी भी हालत में जंगलों में जली हुई बीड़ी, सिगरेट या माचिस न छोड़े। श्री लंगेह ने कहा कि सूखे कचरे, कबाड़ में आग लगने की आशंका बनी होती है। इसलिए इसके आसपास माचिस या किसी भी ज्वलनशील पदार्थ का उपयोग बिल्कुल न करें। वन मंडल अधिकारी श्रीमती प्रभाकर खलको ने बताया कि जंगलों में आग न लगे इसके लिए गांवों व कस्बों में लगातार मुनादी कराई जा रही और आग लग जाने पर तत्काल इसकी सूचना देने के लिए आम लोगों से अपील भी कर रहे हैं।

मतदान केन्द्रों में रैम्प सहित पानी बिजली, शौचालय की होगी व्यवस्था

कोरिया बैकुंठपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विनय कुमार लंगेह ने आज समय-सीमा की बैठक में लोकसभा निर्वाचन 2024 को लेकर संबंधित नोडल अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। श्री लंगेह ने स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान तेजी से और गांव-गांव तक चलाने के निर्देश दिए।

श्री लंगेह ने मतदान पूर्व सभी मतदान केंद्रों में रैम्प बनाने के साथ बिजली, पानी तथा शौचालय कक्ष बनाने के निर्देश दिए। श्री लंगेह ने लोकसभा निर्वाचन के दौरान आने वाले केन्द्रीय एवं राज्य सुरक्षा बलों के ठहरने के स्थानों पर पेयजल, कूलर, शौचालय, बिजली आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। निर्वाचन कार्य से जुड़े नोडल अधिकारियों से कहा कि निर्वाचन के दौरान वाहन व्यवस्था, वाहनों में जीपीएस इंस्टाल करना, मतदान दलों के अधिकारियों, कर्मचारियों, सुरक्षा बलों के लिए स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, अनुमति संबंधी ऑनलाइन व ऑफलाइन आवेदनों का निराकरण, एसएमएस मानिटरिंग का कार्य करना आदि व्यवस्था मतदान पूर्व सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर एवं सोनहत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी मतदान केन्द्रों में मतदान व निर्वाचन संबंधी प्रमुख जानकारी दीवार में लिखे जाए ताकि आम मतदाताओं को अपने मतदान केन्द्रों के बारे में जानकारी हो। बता दें कोरबा लोकसभा संसदीय सीट के अंतर्गत आने वाले कोरिया जिले में तृतीय चरण के तहत मंगलवार 7 मई 2024 को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। 12 अप्रैल को अधिसूचना का प्रकाशन किया गया है, 19 अप्रैल को नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि है। 20 अप्रैल को नामांकन पत्रों की संवीक्षा तथा 22 अप्रैल को नाम वापसी की तिथि है। मतगणना, मंगलवार 4 जून 2024 को होगी। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से कहा कि प्रत्येक व्यक्तियों तक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो, मरीजों को समय पर जांच, उपचार, दवाई मिले यह सुनिश्चित करना प्रत्येक डॉक्टर व उनके अमले की जिम्मेदारी है। इसी कड़ी में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा विगत दिनों सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पोड़ी (बचरा), पटना, सोनहत, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, घुघरा तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, नगर, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, सरडी, शिवपुर-चरचा का औचक निरीक्षण किया गया, जहां अस्पताल की व्यवस्था, गुणवत्ता, ओपीडी, आईपीडी, मेडिकल व्यवस्था, संस्था में होने वाले प्रसव की जानकारी, शिशु तथा प्रसूता माता सहित अन्य मरीजों से मिलकर अस्पताल की व्यवस्था एवं साफ-सफाई की जानकारी प्राप्त की। अस्पताल प्रबंधन को 24 घंटे अस्पताल सुचारू रूप से संचालन के लिए निर्देश दिए। टीकाकरण, मातृत्व स्वास्थ्य, शिशु स्वास्थ्य, एनीमिया, सिकलसेल जांच, आयुष्मान कार्ड बनाने के लक्ष्य हासिल करने के साथ मौसमी बीमारियों जैसे लू से बचाव एवं महामारियों से निपटने की कार्ययोजना, टी.बी. कार्यक्रम, लेप्रोसी कार्यक्रम आदि की जानकारी समुचित रूप से ऑन लाइन दर्ज करने के निर्देश भी दिए। बता दें जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा मितानिन संकुल बैठक में शामिल होकर स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई है।

दिव्यांग और बुजुर्गों को मतदान केन्द्र तक लाने के लिए चलेंगे दिव्यांग रथ:लंगेह

सक्षम एप्प या 1950 डायल कर दिव्यांग, बुजुर्ग मतदाता ले सकेंगे लाभ

कोरिया बैकुंठपुर। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशन में कोरिया जिले में भी दिव्यांग रथ उपलब्ध कराए जाएंगे। इस सुविधा के लिए बुजुर्गों या दिव्यांग मतदाता को केवल 1950 नम्बर पर डायल करना होगा। इस सुविधा के व्यापक स्तर पर प्रचार के लिए जगह जगह रैली निकालकर मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस सम्बंध में जानकारी देते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विनय कुमार लंगेह ने बताया कि निर्वाचन में प्रत्येक मतदाता महत्वपूर्ण है और इसी महत्व को ध्यान में रखते हुए पहली बार दिव्यांग मतदाता को मतदान केंद्र तक लाने और ले जाने के लिए दिव्यांग रथ चलाया जाएगा। इस सुविधा का लाभ बुजुर्गों को भी मिलेगा। उन्होंने बताया कि दिव्यांग रथ की सुविधा का इस्तेमाल बेहद आसान तरीके से किया जा सकता है। उन्होंने आगे बताया कि बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाता 1950 नम्बर पर फोन करके मतदान दिवस पर इस सुविधा का लाभ ले सकेंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि इस सुविधा के लिए बुजुर्ग मतदाता और दिव्यांग मतदाता भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बनाए गए सक्षम एप्प के माध्यम से भी इस निःशुल्क सुविधा का लाभ ले सकते हैं और लोकतंत्र के इस अति महत्वपूर्ण पर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं। जिले में चिन्हित सभी दिव्यांग मतदाताओ को शत प्रतिशत मतदान करने के लिए प्रेरित करने हेतु कोरिया जिले के सभी ग्राम पंचायतों में इस रथ का लगातार प्रचार प्रसार किया जा रहा है। श्री लंगेह ने बताया कि मतदाता जागरूकता अभियान के लिए नोडल अधिकारी,जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी के देखरेख में प्रत्येक ग्राम पंचायतों में दिव्यांग रथ सुविधा से जुड़ने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विनय कुमार लंगेह ने सभी दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओ को मतदान दिवस अनिवार्य रूप से इस सुविधा का लाभ लेने का आग्रह किया है।

प्रेरणा कार्यक्रम विद्यार्थियों को नैतिक गुणों के साथ सशक्त बनाने के लिए प्रेरित करता है: मिश्रा

चिरमिरी/एमसीबी। केंद्रीय विद्यालय चिरमिरी में एमसीबी जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा के गरिमामय उपस्थिति में प्रेरणा उत्सव का भव्य आयोजन सोमवार को संपन्न हुआ।

जिसमें प्रेरणा पोर्टल में पंजीकृत जिले के विभिन्न विद्यालयों से 200 से अधिक प्रतिभागियों ने बढ़ चढकर भाग लिया। जिला शिक्षा अधिकारी श्री मिश्रा ने बताया कि स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग,शिक्षा मंत्रालय द्वारा एक अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम प्रेरणा के माध्यम से नौवीं से बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों को नेतृत्व गुणों के साथ सशक्त बनाने और उन्हें एक सार्थक,अद्वितीय और प्रेरणादायक अनुभव प्रदान करने के लिए प्रेरित करता है। यह भारतीय शिक्षा प्रणाली के सिद्धांतों और मूल्य आधारित शिक्षा के दर्शन से विद्यार्थियों को जोड़ने की गहरी प्रतिबद्धता से प्रेरित है। प्रेरणा उत्सव के अंतर्गत केन्द्रीय विद्यालय चिरमिरी में निबंध कहानी लेखन, कविता, गीत, ड्राइंग आदि प्रतियोगिताओं में भाग लेकर उत्साह के साथ विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाया जिसमें साक्षात्कार के आधार पर स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय मनेंद्रगढ़ के छात्र सुमित कुमार यादव एवं छात्रा- हिमांशी उपाध्याय का चयन निर्णायक मंडल द्वारा सर्वसम्मति से किया गया। जिला स्तर चयनितों में से एक उत्कृष्ठ छात्र एवं एक उत्कृष्ठ छात्रा बड़नगर, मेहसाना (गुजरात) की यात्रा कर मूल्य एवं अनुभव आधारित शिक्षा एवं नवाचार की सीख लेकर लाभान्वित होंगे। विद्यालय के प्राचार्य सह जिला नोडल अधिकारी एन.के. सिन्हा ने कहा कि प्रेरणा' एक सप्ताह तक चलने वाला आवासीय कार्यक्रम है।

यह प्रायोगिक ज्ञान पर आधारित कार्यक्रम है। जो नई शिक्षा नीति में निर्धारित मूल्यों के अनुरूप भारत में विविधता में एकता, वसुधेव कुटुम्बकम और नैतिक मूल्यों पर आधारित शिक्षा का समावेश करेगा साथ ही यह कार्यक्रम छात्र-छात्राओं के भीतर छिपी प्रतिभा को उजागर करने में सहायक होगा। विदित हो कि भारत सरकार के इस महत्वाकांक्षी प्रेरणा उत्सव के अंतर्गत विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए उनकी विभिन्न योग्यताओं को उभारने का प्रयास किया गया एवं बच्चों को समझने की क्षमता का आंकलन भी किया गया।

भूपेश को पहले जनता, फिर कार्यकर्ता और अब परिवार ने भी नकारा:जायसवाल

महिलाओं को एक लाख सालाना देने भरवाए जा रहे फार्म फर्जी, बस्तर कांग्रेस अध्यक्ष ने खोली कांग्रेस की पोल

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिले के भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल ने प्रदेश में कांग्रेस की सरकार जाने के बाद कांग्रेस और पूर्व मुख्यमंत्री व राजनांदगाँव से कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल की राजनीतिक दशा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि न केवल कांग्रेस जनता के मन से उतरी है, बल्कि भूपेश बघेल भी जनता के साथ-साथ कार्यकर्ताओं और अब परिवार के लोगों को मन से भी उतर गए हैं, जिनकी भाभी सीमा बघेल ने भी कांग्रेस छोड़ भाजपा में प्रवेश कर लिया है । तो वहीं पूर्व मंत्री व विधायक बैकुंठपुर भईया लाल राजवाड़े ने कांग्रेस पर इस बात के लिए हमला बोला कि कांग्रेस द्वारा महिलाओं को एक लाख रुपए सालाना देने के नाम पर जो फार्म भरवाया जा रहा है, उसे बस्तर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने झूठा बताया है। इससे कांग्रेस का झूठ सबके सामने आ गया है । भईया लाल राजवाड़े ने कहा कि भूपेश सरकार के धत्कर्मों और भ्रष्टाचार ने प्रदेशवासियों के मन में गहरा आघात किया हैं। झूठ-फरेब की राजनीति और वादाखिलाफी के साथ-साथ भ्रष्टाचार व घोटालों के सरताज भूपेश बघेल की सरकार से बुरी तरह त्रस्त जनता ने 75 पार का नारा देने वाली कांग्रेस को प्रदेश की जनता ने 35 सीटों पर ला पटका! इधर सरकार जाने के बाद कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने खुलकर भूपेश बघेल के खिलाफ जंगी मोर्चा खोल दिया! राजनांदगाँव के कार्यकर्ता सम्मेलन में खूब खरी-खोटी सुनने के बाद अपने ही कार्यकर्ताओं को स्लीपर सेल बताने वाले भूपेश बघेल के शासनकाल में आम कार्यकर्ताओं और महिलाओं का सम्मान सुरक्षित नहीं रह गया था। कांग्रेस से बिलासपुर एवं जगदलपुर की महापौर क्रमशः वाणी राव जी एवं सफिरा साहू ने कहा कि कांग्रेस की सरकार में महिलाओ का कोई सम्मान नहीं हुआ। महिलाओ से किए गए सारे वादों से कांग्रेस मुकर गई! महिलाओं को 500 देने की बात, चार सिलेंडर देने की बात, महिला स्व-सहायता समूहों के कर्जा माफ़ी की बात कोरा झूठ साबित हुई ! पूर्व कैबिनेट मंत्री व विधायक भईया लाल राजवाड़े ने कहा कि कांग्रेस के दिग्गज नेता अरुण सिसोदिया ने तो भूपेश बघेल एवं उनके नजदीकियो पर संगठन के पैसो में घोटाला करने का आरोप लगाया। कांग्रेस के ही दिग्गज नेता रहे चंद्रशेखर शुक्ला ने भूपेश बघेल को झीरम घाटी कांड में संदिग्ध बताया। राजनांदगाँव के दिग्गज नेता सुरेंद्र दाऊ ने भी भूपेश दाऊ पर खुले मंच से गंभीर आरोप लगाया, और अब भूपेश बघेल की भाभी ने भाजपा में शामिल होकर बता दिया है कि जनता और कार्यकर्ताओं के साथ-साथ परिवार भी अब भूपेश बघेल के साथ नहीं हैं और पहले जनता, फिर कार्यकर्ता और अब परिवार ने भी छोड़ दिया है। विधायक भईया लाल ने एक लाख रुपए सालाना देने के नाम पर कांग्रेस के लोगों द्वारा भराए जा रहे फार्म को लेकर कांग्रेस के बस्तर के अध्यक्ष ने यह माना है कि जो फॉर्म भरवाया जा रहा हैं वो फर्जी है। इन दिनों कांग्रेस के पास कोई मुद्दा उठाने को नहीं बचा तो वह केवल जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है। पिछले कई दिनों से हम सब देख रहे हैं कि कांगेस के नेता गली-गली जाकर महिलाओं को भ्रमित कर रहें हैं और फॉर्म भी भरवा रहे हैं। अब इसी फॉर्म को बस्तर कांग्रेस के अध्यक्ष फर्जी बता रहे हैं। इससे सिद्ध हुआ कि फॉर्म भी फर्जी हैं, और जो कांग्रेस के नेता ये फॉर्म भरवा रहे हैं, वह भी फर्जी है। श्री राजवाड़े ने कहा कि जनता ऐसी फर्जी लोगों को विधानसभा चुनाव में करारा सबक सिखा चुकी हैं और अब लोकसभा चुनाव में भी सबक सिखाने जा रही है।

शादी में आई युवती के साथ दुष्कर्म

अंबिकापुर। सहेली के यहां विवाह समारोह में शामिल होने आई युवती दुष्कर्म का शिकार हो गई। सहेली के देवर ने जान से मारने की धमकी देकर युवती से दुष्कर्म किया।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने की दिशा में मतदाता जागरूकता अभियान कारगर प्रयास

कोरिया बैकुंठपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कोरिया के निर्देशन में 16अप्रैल 2024 को शा आ क उ मा वि बैकुंठपुर के प्राचार्य अमृतलाल गुप्ता के मार्गदर्शन में विद्यालय की अध्ययनरत सैकड़ों छात्राओं व शैक्षणिक परिवार द्वारा स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत मतदान प्रतिशत बढ़ाने हेतु गगनभेदी नारे लगाते हुए एक रैली निकाली गई रैली के माध्यम से शत प्रतिशत मतदान करने हेतु मतदाताओं को जागरूक कर प्रेरित किया गया। ततपश्चात विद्यालय परिवार व सैकड़ो छात्राओं द्वारा स्वीप कार्यक्रम के तहत मानव श्रंखला बनाकर प्राचार्य श्री गुप्ता द्वारा मेरा वोट मेरा अधिकार के तहत लोकतंत्र को स्वस्थ व सशक्त बनाने निर्भीकता के साथ मतदान करने संबंधी शपथ दिलाई गई।साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना व गाइड की छात्राओं को अपने अपने गाँव,पारा,मुहल्ले में जाकर शत प्रतिशत मतदान करने हेतु मतदाताओं को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया।उपरोक्त कार्यक्रम में सर्वश्री सी सिंह,पी सिंह, आर एल गौतम, सुमन गुप्ता, एस ए अली, वीरेंद्र कुमार सिंह, के सोनवानी, ,संजय यादव, स्वीटी मिश्रा,के शिवहरे,जे दुबे, विपिन मिश्रा,जे पी नायर,आर जगत, ए सोनपाकर,फगनी बाई,अल्फा वरवा,एन एल सोनी,सुशीला मेरी खलखो, अनुश्रीदेव,पी त्रिवेदी, एस बानो,सपना दुबे,राकेश कुमार देवांगन, विवेक पांडेय, आशीष चन्देल, सविता सिंह, सुमन होता,नीलिमा, घनश्याम, विनीता,शीलवन्ती, सहित अध्ययनरत सैकड़ों छात्रायें उपस्थित रहीं।

स्कूल बसों के फिटनेस और सुरक्षा मानकों की जांच

कोरिया बैकुंठपुर। वरिष्ठ कार्यालयों द्वारा समय-समय पर प्राप्त मौखिक एवं लिखित निर्देशों के अनुरूप सड़क पर वांछित अनुशासन एवं सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने, बाजार में सड़क पर दिख रही अव्यवस्था एवं सड़क दुर्घटनाओ की मृत्यु में कमी लाने के उद्देश्य से कोरिया पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सतत कार्यवाही की जा रही है।

इसी तारतम्य में यातायात के नियमों का पालन कराने स्कूली बच्चों के सुरक्षा को लेकर पुलिस अधीक्षक कोरिया सूरज सिंह परिहार के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका ठाकुर की अध्यक्षता में मंगलवार 16 अप्रैल 2024 रक्षित केंद्र के कॉन्फ्रेंस हॉल में जिन विद्यालयों में स्कूल बसें संचालित हैं उनके प्राचार्यगणों की बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा प्राचार्यगणों को आवश्यक दिशा-निर्देश के साथ ही चालक एवं परिचालकों को उनके उत्तरदायित्व के बारे में विधिवत जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि सभी चालकों का चरित्र सत्यापन अनिवार्य रूप से करवा लें, विद्यालयीन वाहनों में जाली लगाने एवं इमरजेंसी गेट अनिवार्य रूप से रखने हेतु निर्देशित भी किया है। उक्त बैठक में स्कूली बसों के संचालन के संबंध में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों से अवगत कराते हुए बताया गया कि प्रत्येक वाहन के आगे एवं पीछे ऑन स्कूल ड्यूटी विपरीत रंग से लिखा जावे, प्रत्येक वाहन की खिड़कियों में क्षितिज के समानांतर जाली की व्यवस्था की जाए, वाहन में प्राथमिक उपचार पेटी एवं अग्नि समन यंत्र की व्यवस्था की जाएगी, वाहन में एक प्रशिक्षित परिचारक हो जो बच्चों को उतारने और चढ़ाने में सहायता करे।

बैठक में एएसपी कोरिया ने यह भी कि बताया कि यदि छात्रा आना-जाना करती हैं तो महिला स्टाफ का रहना अनिवार्य है, स्कूल बस का चालन वही चालक करें जिनके पास 5 वर्षों का भारी वाहन चालन का अनुभव हो, वाहन में स्कूली बच्चों के अलावा किसी अन्य को बैठने की अनुमति नहीं है, प्रत्येक वाहन में सीट के नीचे बस्ता रखने का पर्याप्त स्थान होना चाहिए, वाहनों का संचालन विहित गति सीमा के भीतर किया जाएगा तथा प्रत्येक बस में स्पीड राडार गन लगा होना चाहिए। उक्त बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि वाहनों में फिल्म युक्त रंगीन कांच अथवा पर्दा नहीं लगा होना चाहिए, वाहनों में प्रेशर हार्न नहीं होना चाहिए, स्कूल बसें 12 वर्ष से अधिक पुरानी नहीं होनी चाहिए साथ ही वाहन का कागजात रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र, बीमा, फिटनेस, परमिट, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र, कर अदायगी की रसीद, चालक का ड्राइविंग लाइसेंस, ड्राइवर कंडक्टर का चरित्र सत्यापन आदि पूर्ण रूप से वैध होना चाहिए। बैठक के दौरान चालक एवं परिचालक को उनके कर्तव्यों से अवगत कराया गया, जिसमें चालक को निर्देशित किया गया कि बस में समय से पहले साफ सुथरी वर्दी में पहुंचे एवं बस का पूर्ण रूप से निरीक्षण कर लें, चालक का कर्तव्य है कि वह जांच कर लेवें की फर्स्ट ऐड बॉक्स, फायर एक्सटिंग्विशर, स्पीड गवर्नर, बस के ऊपर चारों तरफ बत्तियां, स्कूल बोर्ड आगे पीछे जिस पर विद्यालय का दूरभाष व कोरिया पुलिस नियंत्रण कक्ष का संपर्क नंबर अंकित होना चाहिए, बस को 40 किलोमीटर प्रति घंटा से तेज ना चलाएं, निर्धारित स्थल से ही बच्चों को चढ़ायें व उतारें, संख्या से अधिक बच्चे ना बैठाएं।

बैठक उपरांत विविध शैक्षणिक संस्थानों से आए 17 स्कूल बसों की जांच पुलिस वाहन शाखा प्रभारी जनकराम तिवारी, सहायक उप निरीक्षक यातायात किशुन राम भगत व पुलिस के प्रशिक्षित वाहन चालकों के द्वारा किया गया, जिसमें जांच के दौरान सभी वाहनों के कागजात सही पाए गए। 08 वाहनों में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों का पूर्ण रूपेण पालन करना नहीं पाया गया, जिन्हें 15 दिवस का समय देकर पूर्ण कर पुनः जांच कराने हेतु निर्देशित किया गया है।

उक्त बैठक में डी.एस.पी मुख्या. श्याम लाल मधुकर, प्रशिक्षु डी.एस. पी. रविकांत सहारे, यातायात प्रभारी विपुल जांगड़े एवं जांच कार्यवाही के दौरान विभिन्न शैक्षिक संस्थानों से आए प्राचार्यगणों के साथ वाहन चालक एवं परिचालक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

चैत्र रामनवमी को हवन-पूजन के साथ कन्या भोज

कोरबा। चैत्र नवरात्र के अंतिम दिवस रामनवमी को मंदिरों के अलावा सनातन धर्म को मानने वाले वर्ग ने अपने घरों और संस्थानों में धार्मिक अनुष्ठान किया। विधि विधान से हवन-पूजन की परंपरा विभिन्न मंदिरों में निभाई गई। वेद मंत्रों के साथ बेदियों में आहूतियां दी गई। विभिन्न क्षेत्रों में आज सुबह से कन्या पूजन कर उन्हें भोज कराने का सिलसिला भी शुरू हुआ। नवरात्र पर व्रत रखने वाले अनुयायियों ने कन्याओं को यथाशक्ति प्रदान की ओर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

विधि से संघर्षरत नाबालिग हत्यारोपी पकड़ाया

कोरबा। जिले के हरदीबाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में निवाासरत विधि से संघर्षरत नाबालिग हत्यारोपी को गिरफ्तार कर उसे रिमांड पर निरूद्ध किये जाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

मिली जानकारी के अनुसार हरदीबाजार चौकी क्षेत्रांतर्गत घटना दिनांक 5 अप्रैल को एक नाबालिग किशोरी अपहरण एवं उसकी हत्या कर दी गई थी। इस मामले में हरदीबाजार चौकी पुलिस ने अपराध क्रमांक 41/24 धारा 363, 366, 376 भादवि एवं 4क पास्को एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी। इस मामले में आरोपी के विरूद्ध विगत 7 अप्रैल को रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। बताया जाता है काफी बारिकी से विवेचना के बाद आरोपी को आज दबोचा गया। जिसे रिमांड पर कोरबा न्यायालय पेश किया जा रहा है। इस मामले में आरोपी को पकड़ने से लेकर विवेचना तक की कार्रवाई एएसआई मोतीलाल डडसेना द्वारा की गई थी।

मृतावस्था में लाया गया युवक

कोरबा। जिला अस्पताल में कल देर शाम एक युवक के गिरने के उपरांत जमीन पर लगे हल्के चोट के बाद उपचार के लिए भर्ती कराया गया। वहां एक घंटे के अंदर ही उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस यह भी नहीं समझ पाई कि उसकी मौत कैसे और किन कारणों से हुई है। मिली जानकारी के अनुसार उरगा थानांतर्गत ग्राम नरईडीह निवासी लखन कुमार कंवर उम्र 18 वर्ष पिता महेश्वर कंवर कल शाम 8 बजे के लगभग नहाने गया था। नहाते समय वह गिर पड़ा जिससे कि उसके शरीर में मामूली खरोंचे आई है। लेकिन उक्त युवक घर पर ही शनैः-शनैः बेहोश होने लगा। जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया। यहां उसे देखते ही चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

35 पाव शराब समेत अवैध विक्रेता चढ़ा हत्थे

कोरबा। सीएसईबी कोरबा पूर्व पुलिस चौकी ने कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से पंपहाउस बस्ती में शराब बिक्री कर रहे युवक के पास से 35 पाव देशी शराब जब्त कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को रिमांड पर कोरबा न्यायालय पेश किया जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार सुनील कुमार गुप्ता उम्र 35 पिता हरिशचंद्र गुप्ता अपने घर में अवैध रूप से देशी शराब लाकर बिक्री करता था। जिसके संबंध में मुखबिर से जानकारी सीएसईबी चौकी प्रभारी भीमसेन यादव को हुई। जिसके बाद चौकी प्रभारी श्री यादव ने हमराह स्टाफ के साथ दबिश देकर आरोपी को रंगे हाथ धर दबोचा और उसके विरूद्ध धारा 34 (1-क) आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई कर उसे रिमांड पर कोरबा न्यायालय भेज दिया। जहां से उसे जिला जेल पुलिस ने दाखिल कर दिया।

रामनवमी पर आयोजित भंडारा में हजारों लोगों ने लिया प्रसाद

कोरबा। महाराणा प्रताप प्रांगण बुधवारी में राजपूत क्षत्रिय समाज के तत्वाधान में आयोजित विशाल भंडारा में हजारों श्रद्धालुओं ने आज सुबह से ही वहां उपस्थित होकर विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर उसका प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर राजपूत क्षत्रिय समाज के संरक्षक आर.के.सिंह, अध्यक्ष अवधेश सिंह, उपाध्यक्ष विजय सिंह, सचिव मुकेश सिंह, सहसचिव छन्नू सिंह, कोषाध्यक्ष बच्चू सिंह, कार्यकारिणी सदस्य जितेंद्र सिंह लाला, वरिष्ठ सदस्य एवं समाज के पूर्व जिलाध्यक्ष क्रमशः श्रेष्ठ सिंह ठाकुर, नरेश सिंह, पद्म सिंह चंदेल, चंद्रहास सिंह, बलदेव सिंह के अलावा समाज के सक्रिय सदस्य मंटू सिंह, स्मित सिंह, संदीप सिंह, डॉ. संदीप सिंह, दिनेश सिंह राजपूताना, दिनेश सिंह, ओमप्रकाश सिंह, गिरीजेश सिंह, अभयराज सिंह, विकास सिंह, राज सिंह, राकेश सिंह, रजनीकांत सिंह समेत भारी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण करते रहे।

हथियार के साथ एक गिरफ्तार

कोरबा। कोतवाली पुलिस ने एक युवक को अवैध रुप से देसी कट्टा रखने के आरोप में विशाल साहू को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया,कि बाहर से कट्टा लाया था और उसे बेचने की फिराक में था,लेकिन ऐन वक्त पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और उसे पकड़ लिया। आरोपी से पुलिस ने कट्टे को जप्त कर लिया है। उसके खिलाफ 25 आर्म्स एक्ट की कार्रवाई की जा रही है।

नियुक्ति पर आपत्ति

कोरबा। ग्राम पंचायत सिंघूल में कोटवार नियुक्ति में बड़े फर्जीवाड़ा को लेकर कलेक्टरेट कार्यालय में शिकायत की गई है। पंच-सरपंच द्वारा नवनयुक्त कोटवार से मोटी रकम लेनदेन कर अपात्र व्यक्ति तेरस कश्यप को ग्रामीणों के बिना सहमति के कोटवार नियुक्त किया गया है।

प्रदेश अध्यक्ष चंद्राकर लेंगे बैठक

कोरबा। पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव चन्द्राकर आज कार्यकार्ताओं की बैठक लेंगे। इस बैठक को सफल गमें प्रदेश उपाध्यक्ष श्याम सुंदर सोनी, गोपाल यादव, राजेश मानिकपुरी , गजानंद साहू, गिरधारी बरेठ सहित अनेको कार्यकर्ता लगे हुए है।

खनिज लक्ष्य : कोयला खदानों की पर्यावरणीय स्वीकृति पर निगाहें

बीते वर्ष 19 फीसदी राजस्व से जिला पीछे

कोरबा। सवाल यह है कि क्या वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रदेश सरकार से प्राप्त खनिज राजस्व लक्ष्य की पूर्ति करने में कोरबा जिला सफल हो सकेगा। यह इसलिए पूछा जा रहा है क्योंकि बीते वर्ष केवल 81 फीसदी लक्ष्य की पूर्ति ही हो सकी। हालांकि इसके लिए जो कारण जिम्मेदार रहे, इसके लिए इस बारे में सरकार को अवगत करा दिया गया है।

मौजूदा वित्त वर्ष के लिए सरकार ने कोरबा जिले को 3 हजार करोड़ खनिज राजस्व लक्ष्य अर्जित करने को कहा है। प्रदेश में सर्वाधिक लक्ष्य कोरबा से ही मिलता रहा है। इसलिए नई संभावनाओं पर काम होने के साथ लक्ष्य की मात्रा में बढ़ोत्तरी भी हो रही है। कोरबा जिले में खनिज राजस्व का पूरा दारोमदार कोयला खदानों पर टिका हुआ है। जिले में कोरबा, कुसमुण्डा, गेवरा और दीपका विस्तार क्षेत्र के अंतर्गत लगभग 20 खदानें संचालित हो रही है। इनमें से गेवरा विश्व की सबसे

बड़ी खदान का दर्जा प्राप्त कर चुका है और कई रिकार्ड उसके नाम हो चुके है। जबकि एसईसीएल की ही कुसमुण्डा और दीपका विस्तार खदान को एसईसीएल ने मेगा माईंस की श्रेणी में रखा है। अकेले कोरबा जिले से ही लगभग 150 लाख टन कोयला 1 वर्ष में उत्पादित हो रहा है और यह एसईसीएल के सकल उत्पादन लक्ष्य की 60 प्रतिशत मात्रा को पूरा कर रहा है। समय के साथ देश में कोयला की बढ़ती जरूरत को पूरा करने की चुनौती कोल इंडिया की कंपनियों पर है। इनमें भी सबसे ज्यादा दबाव एसईसीएल पर है कि वह देश के लिए अधिकतम कोयला उत्पादन करते हुए उपलब्ध कराये। खबर के मुताबिक कोरबा जिले में कुछ कोयला खदानों को पुनर्जीवित करने और कुछ खदानों के विस्तार की योजना है। राज्य सरकार के स्तर पर पर्यावरणीय जनसुनवाई की प्रक्रिया पिछले वर्ष पूरी हुई है और इसकी फाईले अगली कार्यवाही के लिए वन पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार को भेजी गई है। बताया गया कि ऊपर से स्वीकृति नहीं मिलने के कारण एसईसीएल के द्वारा समय पर माईनिंग से संबंधित कामकाज इन परियोजनाओं के सिलसिले में नहीं किया जा सका। ऐसे में सरकार के खनिज विभाग को रॉयल्टी की बड़ी मात्रा से वंचित हो जाना पड़ा।

जानकार बताते है कि कोरबा जिले में खनिज राजस्व की 100 प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति नहीं होने के पीछे यही सबसे बड़ा कारण रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 में कोरबा जिले ने 22 सौ करोड़ के आसपास राजस्व अर्जित कर सका। जबकि उसे 27 सौ करोड़ रूपये अर्जित करने थे। विभाग के अधिकारियों का साफतौर पर कहना है कि इस वर्ष के लिए जो लक्ष्य प्राप्त हुआ है, उसकी कसौटी पर खरा उतरने के लिए हम प्रस्तावित पर्यावरणीय स्वीकृति की प्रतिक्षा कर रहे है। अगर ऐसा होता है तो यह एक तरह से सकारात्मक स्थिति होगी और इससे कई पहलुओं पर सीधा प्रभाव पड़ेगा।

एनीकट में डूबने से किशोर को बचाया

कोरबा। सर्वेश्वरी एनीकट में नहाते समय एक किशोर गहरे पानी में चला गया। मीडियाकर्मियों ने हिम्मत दिखाई और उसे एनीकट से बाहर निकाल अस्पताल पहुंचाया। जहां से डॉक्टरों ने सघन इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। उसकी हालत अपोलो में गंभीर बनी हुई है। कोतवाली अंतर्गत कॉपरेटिव बैंक रोड में शमशुद्दीन हुसैन निवासरत हैं। पुत्र मुनीर हुसैन दोस्तों के साथ घूमने के लिए हसदेव नदी पर बने सर्वेश्वरी एनीकट की ओर गया था। जहां उसके सभी दोस्त नहाने के लिए चले गए। उन्हे नहाते देख मुनीर भी पानी में उतर गया। वह गहरे पानी मे पहुंचते ही डूबने लगा। उस पर नजर पड़ते ही कुछ दोस्त भाग निकले, लेकिन एक दोस्त ने किसी तरह हिम्मत जुटाई। वह मुनीर को खींचते हुए एनीकट के किनारे तक ले आया। तब तक मुनीर की हालत बिगड़ चुकी थी। जिसे देख दोस्त भी हिम्मत हार गया। घटनास्थल पर मौजूद किसी व्यक्ति ने मामले की जानकारी एसईसीएल के एसबीएस कालोनी में रहने वाले मीडियाकर्मी अतुल यादव और उसके भाई को दी। अतुल बिना समय गंवाए मौके पर जा पहुंचा। उसने ईश्वर का नाम लेकर एनीकट में छलांग लगा दी। उसने मौके पर मौजूद कुछ अन्य लोगों की मदद से किशोर को बाहर निकाला।

गेरांव से कोरकोमा पहुंचे दो हाथी ग्रामीणों को किया गया अलर्ट

कोरबा। वनमंडल कोरबा के कोरबा रेंज अंतर्गत गेरांव क्षेत्र में दो दिनों तक विचरण करने के बाद दो हाथी अब कोरकोमा जंगल पहुंच गए हैं। हाथियों का लोकेशन आज सुबह यहां मिलते ही वन विभाग का अमला अलर्ट हो गया और ग्रामीणों को सतर्क करने के काम में जुट गया। अमला द्वारा हाथियों की निगरानी करने के साथ ही ग्रामीणों को सतर्क किया गया। कोरकोमा व आसपास के गांवों में मुनादी कराकर ग्रामीणों को इसकी जानकारी दे दी गई है और उनसे कहा गया है कि दो हाथियों की आमद क्षेत्र में हो गई है अतः वे जंगल की ओर न जाए। हाथियों के दिखने पर तत्काल वन विभाग को सूचित करें। हाथियों के क्षेत्र में पहुंचने से ग्रामीण दहशत में हैं। उधर कटघोरा वनमंडल के केंदई रेंज में बड़ी संख्या में हाथियों की सक्रियता लगातार बनी हुई है। ज्यादातर हाथी कापानवापारा व लालपुर क्षेत्र में विचरण कर रहे हैं। वन विभाग द्वारा क्षेत्र में मौजूद हाथियों की निगरानी थर्मल ड्रोन के जरिए की जा रही है। हाथियों के गांव के निकट पहुंचने का लोकेशन मिलते ही वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी तत्काल मौके पर पहुंचकर हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ते हैं और ग्रामीणों को राहत प्रदान करते हैं।

कोल इंडिया प्रभारी रेड्डी आज लेंगे बैठक

कोरबा। भारतीय कोयला खदान मजदूर संगठन कोल इंडिया प्रभारी के लक्ष्मा रेड्डी का कल कोरबा आगमन हुआ है। इनके द्वारा कोयले क्षेत्र के कार्यकर्ता की बैठक जेपी कालोनी में ली जाएगी। इस बैठक में बिलासपुर संभाग के कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में टिकेश्वर राठौर, अशोक सूर्यवंशी अश्वनी मिश्रा, अमिया मिश्रा, शैलेन्द्र सिंह , रंजय सिंह, नलीन पवार, मिनी लाल साहू, राजेन्द्र यादव, बाबूलाल टंडन सहित अन्य कार्यकर्ता जुटे हुए है।

युवा मोर्चा कार्यकर्ता फिर लागाएंगे चौपाल

कोरबा। युवा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री अंकित जायसवाल के द्वाराकार्यकर्ताओं की बैठक ली गई। जिसमें उन्होने ने कार्यकर्ताओं को चौपाल लगाने कहा है। यह चौपाल भीड़-भाड़ इलाको में लगाए जाएगें हाट बाजारों के अलावा दुकानों के निकट यह चौपाल लगेगा। चौपाल में केन्द्र सरकार की योजनाओं के अलावा प्रदेश सरकार की कार्यो को बताया जाएगा। बैठक में पंकज सोनी, प्रीति स्वर्णकार, सुभाष राठौर, दिनेश सेन, टिंकू रंजन सहित अनेको कार्यकर्ता मौजूद थे।

***कोरबा।** जिले में 23 अप्रैल को चैत्र पूर्णिमा पर हनुमान प्राकट्य उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इसके लिए मंदिरों आवश्यक तैयारी की जा रही है।

अधिवक्ता संघ चुनाव : छत्तीसगढ़ बार काउंसिल ने मंगाया फुटेज

मतगणना में धांधली की हुई थी शिकायत

कोरबा। हाल में हुए जिला अधिवक्ता संघ चुनाव में मतपत्रों की गिनती में धांधली किये जाने की शिकायत पर स्टेट बार काउंसिल ऑफ छत्तीसगढ़ ने एक्शन लेते हुए चुनाव का सीसीटीवी फुटेज मंगाया है।

साथ ही उसकी एक प्रति शिकायतकर्ता को उपलब्ध कराने को कहा है। जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष एवं सचिव को प्रेषित आदेश में बार काउंसिल के सचिव अमित कुमार वर्मा ने कहा है कि चुनाव में धांधली की शिकायत मिली है। जिसमें अधिवक्ता संघ कोरबा के सचिव पद के मतगणना में धांधली की वजह से गोपी कौशिक मुख्य चुनाव अधिकारी को तत्काल पुनः मतगणना कराए जाने तक शपथ ग्रहण करने की कार्यवाही स्थगित रखे जाने, मतपेटियों में रखे मतों को तत्काल सीलबंद किये जाने, वीडियोग्राफी किये जाने एवं मतदान दिवस के सीसीटीवी फुटेज प्रदान किये जाने का अनुरोध शिकायतकर्ता अधिवक्ता सुनील यादव की ओर से किया गया है। अतः प्रजातांत्रिक अवमूल्यों को ध्यान में रखते हुए सीसीटीवी फुटेज की कापी परिषद कार्यालय को तथा एक कापी आवेदक को प्रदान करें। ज्ञात रहे इस चुनाव में अध्यक्ष पद के उम्मीदवार अधिवक्ता धनेश सिंह ने भी इसी प्रकार की धांधली की आशंका जताते हुए मतगणना पुनः कराए जाने तथा पुनः मतगणना तक शपथ ग्रहण स्थगित किये जाने की मांग चुनाव अधिकारी श्री कौशिक से की थी। धनेश सिंह के बाद सचिव पद के उम्मीदवार अधिवक्ता सुनील यादव ने भी शिकायत किया था और बार काउंसिल को इसकी प्रति भेजी थी। जिस पर बार काउंसिल ने एक्शन लेते हुए सीसीटीवी फुटेज मंगाने के साथ ही उसकी एक प्रति शिकायत कर्ता सुनील यादव को देने को कहा है।

दूसरों की पीड़ा से व्यथित ईश्वरी ने कील को बनाया बिछौना, लोग पड़े अचंभे में

कोरबा। आस्था एक ऐसा विषय है जिसे किसी भी स्तर पर चुनौती नहीं दी जा सकती। अलग-अलग समय पर भिन्न-भिन्न क्षेत्र में कई ऐसी घटनाएं हुई है जिन्हें चमत्कार का नाम दिया गया है। चैत्र नवरात्र पर कोरबा जिले के नेवसा गाव में लोहे की नुकीली कील पर देवी की एक उपासक की सेज सजी है। लोगों के लिए यह किसी चमत्कार से काम नहीं है और वह इसका दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं।

कोरबा जिले के पाली विकासखंड के अंतर्गत आने वाले नेवसा गाव में नवरात्र पर हर कोई भक्ति में डूबा हुआ है। इन सबके बीच एक स्थान पर प्रज्वलित हो रही ज्योति और नुकीली सेज पर देवी भक्त ईश्वरी चौहान की उपस्थिति हर किसी को अचंभित कर रही है। ईश्वरी के पति ने बताया कि कन्या के स्वप्न में आने की बात उससे साझा की गई थी। साथ ही बताया गया था कि उसे आगे क्या करना है। नेवसा के उप सरपंच शिव यादव ने बताया कि नवरात्र पर उनके गांव में भक्तिमय वातावरण है। हर कहीं भक्ति के नजारे है। देवी के प्रत्यक्ष दर्शन सभी को हो रहे है। लंबे समय तक बिना पानी और फल या खाद्य पदार्थ के व्यक्ति की बेहतर स्थिति किसी को भी चौंकाने के लिए काफी है। उस पर भी नुकीली शैया पर उपस्थिति भी किसी रहस्य से कम नही। वैसे भी भारत में अदृश्य शक्तियों की चर्चा कई युगों से होती रही है और कलयुग में भी यह सिलसिला बना हुआ है। भारत में ही कई स्थान तो ऐसे हैं जहां इस प्रकार के रहस्यों का सच जानने के लिए जिसने कोशिश की वह आखिरकार कहीं का नहीं रहा।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोनः 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com